राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

# समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 255 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 16 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in


## संक्षिप्त समाचार

### बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप हुए अलग

**नई दिल्ली।** भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने अपने पति और पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की घोषणा की है। साइना ने देर रात इंस्टाग्राम पर एक बयान साझा करते हुए कहा कि उन्होंने और कश्यप ने आपसी सहमति से यह फैसला लिया है। साइना ने अपने पोस्ट में लिखा, जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। बहुत सोच-विचार के बाद, कश्यप पारुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और राहत चुन रहे हैं। मैं उन यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ते हुए केवल अच्छे की कामना करती हूं। हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद। हालांकि, पारुपल्ली कश्यप की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि साइना और कश्यप की मुलाकात 1997 में एक बैडमिंटन कैंप के दौरान हुई थी।

### पिता ने 6 साल के बेटे की पीट-पीट कर की हत्या

**पटना।** बिहार की राजधानी पटना से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने ही छह वर्षीय मासूम बेटे की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह वारदात पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल के कमरे में अंजाम दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक बच्चे की पहचान सनी कुमार (6 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पिता का नाम प्रभाकर महतो बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रभाकर महतो अपने बेटे सनी के साथ स्टेशन के पास एक होटल में ठहरा हुआ था। रविवार को होटल के कमरे में उसने किसी बात पर अपने बेटे की बेरहमी से पिटाई की, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी कमरे में ताला लगाकर मौके से भाग निकला। होटल कर्मचारियों को शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा तो अंदर बच्चे का शव पड़ा मिला।

### सीआरपीएफ स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के दो प्रमुख स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिससे हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। हालांकि, अब तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। धमकी भरे ईमेल सुबह करीब 7:30 बजे भेजे गए थे, जिनकी जानकारी दिल्ली पुलिस को सुबह 8:30 बजे पीसीआर कॉल के जरिए दी गई। जिन स्कूलों को निशाना बनाया गया। उनमें चाणक्यपुरी स्थित एक नेवी स्कूल और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूल शामिल हैं।

मां बोलीं-शब्दों में बयान नहीं कर सकती ये खुशी

# शुभांशु 18 दिन आईएसएस पर रहने के बाद पृथ्वी सुरक्षित लौटे

नयी दिल्ली/ एजेंसी

शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद मंगलवार को खुशी और मुस्कुराहट के साथ पृथ्वी पर लौट आए. यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने का वादा करती है. लखनऊ में जन्मे शुक्ला और निजी 'एक्सिओम-4' मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री प्रशांत समयानुसार रात 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे) कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के निकट प्रशांत महासागर में उतरे. इस दौरान पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई. भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं. इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत रूस मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी. वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, जिन्होंने पृथ्वी की कक्षा में सबसे लंबे समय (20 दिन) तक रहकर अंतरिक्ष की यात्रा की. भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन देशों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है. ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान 25 जून को फ्लोरिडा से उड़ा था और 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को आईएसएस पहुंचा था. कक्षीय प्रयोगशाला में शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन तथा पोलैंड के मिशन

विशेषज्ञ स्लावोज. उज्नान्स्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 मिशन दल ने अगले 18 दिन 60 प्रयोगों और 20 संपर्क सत्रों में बिताए. ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करते हुए एक्सिओम-4 चालक दल के सदस्यों को लेकर धीरे-धीरे गति कम करने और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए कई प्रक्रियाएँ पूरी कीं तथा प्रशांत महासागर में उतरने से पहले तीव्र गर्मी का सामना किया. कुछ ही मिनटों बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान को स्पेसएक्स के 'रिकवरी शिप शैनन' के ऊपर ले जाया गया, जहां शुक्ला और अन्य अंतरिक्ष यात्री मुस्कुराते हुए और कैमरों की ओर हाथ हिलाते हुए अंतरिक्ष यान से बाहर निकले. अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाने के लिए पैरों के सहारे चलवाने में शुक्ला और तीनों अंतरिक्ष यात्रियों की 'ग्राउंड स्टाफ' ने मदद की. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौटे शुभांशु शुक्ला को बधाई दी और कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस पर 'एक्सिओम-4' मिशन के संचालन में उनकी भूमिका ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है.

### पीएम मोदी बोले- यह गगनयान मिशन की दिशा में मील का पत्थर

पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला के सकुशल धरती पर लौट आने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें पीएम मोदी ने लिखा 'मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।'

# कभी राजमहल की रानी आज तरसे दाना दाना पानी

## नौकर का बेटा राजा बनकर राजमहल की संपत्तियों पर किया कब्जा

**सक्ती ( समय दर्शन )।** सक्ती नगर के राजा स्वर्गीय सुरेंद्र बहादुर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती गीता सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि जो कि राजा साहब के निधन होने के पश्चात आज अपने खुद के घर से बेघर हो गई है उन्हें अपने ही निवास स्थान रहने के लिए दर-दर की ठोकरे एवं कानून की दरवाजा बार-बार खटखटाना की नौबत आ गई है श्रीमती गीता सिंह अपने वृद्धावस्था एवं अकेली होने की वजह से लाचार है फिर भी उन्होंने सक्ती न्यायालय में आवेदन देकर न्यायाधीश द्वारा उनके पक्ष में राजमहल में रहने का अधिकार प्राप्त किया है । उस अधिकार को लेकर उन्होंने कई बार राजमहल में रहने के लिए गुहार लगाई परंतु उसे राजमहल में रहने वाले धर्मेंद्र सिंह जिसे राजमाता नौकर का बेटा मानती है जो महल में अपने पिताजी धनेश्वर सिदार के साथ मेहमानों के आने पर उनकी आव भगत एवं मेहमान नवाजी में अपने पिताजी के साथ बर्तन उठाकर साफकिया करता था वह आज पूरे राजमहल के संपत्तियों पर अपना कब्जा जमा कर बैठा हुआ है जबकि धर्मेंद्र सिंह के पास अपने वारिस होने का कोई भी रजिस्टर्ड प्रमाण नहीं है, उसके बाद भी राजमाता श्रीमती गीता सिंह द्वारा प्रशासन को सूचना दी गई कि मेरे पास न्यायालय एवं महिला बाल विकास विभाग का आदेश है मुझे राजमहल में घुसने में मेरी मदद की जावे। परंतु प्रशासन द्वारा उनकी किसी भी प्रकार से मदद नहीं की गई उन्हें स्वयं ही अपनी व्यवस्था बनाकर जाने को कहा गया ।उन्होंने पहले भी कई बार राजमहल में जाने की कोशिश की थी परंतु वहां निवासरत धर्मेंद्र सिंह द्वारा अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर कई बार मारपीट कर उनके रुपए पैसे मोबाइल छीनकर भगा दिया गया है। अभी वर्तमान में वह सफेद राजमहल में एक छोटे से कमरे में निवास करती है उनके और कोई रहने का ठिकाना नहीं होने की वजह से सफेद राजमहल के ऊपरी हिस्से में एक छोटे से कमरे में वह रहती हैं बारिश के समय ऊपर से पानी टपकता है एवं नीचे का कारपेट भी गीला हो जाता है उनकी

देखभाल करने वाला भी कोई भी नहीं है। उन्होंने लाचार होकर प्रशासन से भी गुहार लगाई थी परंतु उन्हें वहां से भी कोई प्रकार से मदद नहीं मिली। 25 जून 2025 को श्रीमती गीता सिंह अपने शुभचिंतकों एवं समर्थकों के साथ कार में बैठकर पीला महल में निवास होने के लिए पहुंची परंतु वहां पर उपस्थित धर्मेंद्र सिंह की पत्नी शिल्पा सिंह अपने परिवार जनों एवं अपने समर्थकों के साथ दरवाजे में खड़ी थी । श्रीमती गीता सिंह द्वारा पीला महल में प्रवेश करने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई एवं दोनों पक्षों में जबरदस्त हाथापाई एवं मारपीट होने लगी जिसका वहां पर खड़े आम जनता एवं कुछ पत्रकारों ने भी देखा है बहुत से लोगों ने घटनाक्रम का फोटो एवं वीडियो भी बनाया है की पीला महल के बाहर एवं अंदर में क्या-क्या घटना घटी है कौन किसको मारा है किसने किसके साथ जबरदस्ती की है इसकी बहुत सी फोटो एवं वीडियो पूरे नगर में सभी के पास मौजूद है चाहे तो इसकी जांच प्रशासन कर सकती है परंतु शिल्पा सिंह पति धर्मेंद्र सिंह द्वारा श्रीमती गीता सिंह के समर्थकों के ऊपर पुलिस थाना सक्ती में झूठी रिपोर्ट दर्ज कर उन सभी को फसाया गया है उन सभी के ऊपर तमाम गैर जमानती धारा लगाया गया है। परंतु प्रशासन द्वारा पूर्णतया एक पक्षीय कार्यवाही की गई है श्रीमती गीता सिंह के सभी समर्थकों एवं गीता सिंह को मार मार कर भगाया गया है जिसमें श्रीमती गीता सिंह को भी सिर पर चोट लगी है इस घटना का सभी ने वहां खड़े होकर देखा है और उल्टे उन्ही के समर्थकों के ऊपर में पुलिस थाना सक्ती में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जबकि श्रीमती गीता सिंह की आवेदन पर पुलिस थाना प्रशासन ने आज तक कोई भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की है, श्रीमती गीता सिंह द्वारा बार-बार थाने में जाकर अपनी रिपोर्ट दर्ज करवाने हेतु आवेदन दिया गया है परंतु आज पर्यंत तक प्रशासन द्वारा उसमें कोई भी प्रकार से कार्रवाई नहीं की गई है। घटना दिनांक को जो व्यक्ति घटनास्थल पर उपस्थिति ही नहीं थे उनको भी प्रशासन द्वारा गैर जमानती धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है जबकि रिपोर्ट करता के आदमियों द्वारा श्रीमती गीता सिंह के समर्थकों को मार मार कर चोट पहुंचाई गई है वह न्याय के लिए दर-दर भटक रही है उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। प्रशासनिक एवं राजनीतिक दबाव में प्रशासन द्वारा एक पक्षीय कार्रवाई की गई है घटना दो पक्षों में घटी गई है परंतु एक पक्ष के आदमी इतनी भारी संख्या में अचानक कहां से आ गए और वह लोग कौन थे उन लोगों को गांव से एवं नगर से इकट्ठा करके कौन बुलाया था उनके बारे में प्रशासन ने अभी तक कोई प्रकार की जांच नहीं की है इस पर राजमहल की रानी श्रीमती गीता सिंह ने प्रशासन से जांच कर दोषियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। यह नगर की जनता में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सेना पर टिप्पणी का मामला

# राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर, 5 मिनट में जमानत..

लखनऊ / एजेंसी

भारतीय सेना' पर टिप्पणी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार (15 जुलाई) को लखनऊ कोर्ट पेश हुए। राहुल के सरेंडर के बाद उनके वकील ने जमानत याचिका लगाई। कोर्ट ने मंजूर करते हुए राहुल को 5 मिनट बाद जमानत दे दी। कोर्ट ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला। राहुल गांधी के कोर्ट रूम में जाते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिंदाबाद के नारे लगाए। भारी सुरक्षा के बीच कांग्रेस सांसद लखनऊ के एमपी/ एमएलए कोर्ट रूम के अंदर पहुंचे। पुलिस ने

राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार को रोक दिया। उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशनके पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने 11 फरवरी को सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मामला दायर किया था। आरोप लगाया था कि 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय सेना पर विवादित टिप्पणी की थी। श्रीवास्तव ने दावा किया था कि राहुल ने 9 दिसंबर 2022 को भारत-चीन सीमा पर हुई झड़प का उल्लेख करते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय जवानों को पीट रहे हैं, जो उनकी दृष्टि में तथ्यों से परे और भ्रामक था। उनका कहना है कि ऐसे बयान से सैनिकों के मनोबल पर नकारात्मक असर पड़ा और उनके परिवारों की भावनाएं भी आहत हुईं।

भारतीय सेना ने अपने बयान में कहा था कि चीन के सैनिकों ने भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास किया था, लेकिन भारतीय जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

हत्या के मामले में दी जानी थी फांसी

# यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सजा टल गई

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में होने वाली फांसी की सजा टल गई है। निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को अपने बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फांसी की सजा दी जानी थी। केरल के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम नेता कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार और भारत सरकार के हस्तक्षेप से हो रही बातचीत के बाद यमन के स्थानीय अधिकारियों ने निमिषा की सजा स्थगित कर दी है। बताया जा रहा है कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में निमिषा प्रिया के

परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए। भारतीय अधिकारी यमन के जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं। बता दें कि निमिषा प्रिया पर आरोप है कि उन्होंने साल 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तालाल अब्दो महदी की हत्या की थी। इस मामले में उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और उनकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। 16 जुलाई 2025 को उन्हें फांसी देने की तारीख तय की गई थी। फिलहाल निमिषा यमन की राजधानी सना की जेल में बंद हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में भी निमिषा की फांसी को सजा रुकवाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल (एजीआई) ने कहा कि भारत सरकार प्रिया की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मानसून सत्र का दूसरा दिन

# जल जीवन मिशन पर भूपेश बघेल व साव के बीच नोक-झोंक

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा के मानसून सत्र के आज दूसरे दिन जल जीवन मिशन के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव के बीच नोक-झोंक हुई। बघेल के सवालों का जवाब देते हुए साव ने कहा कि आप की सरकार के समय में नल कनेक्शन के 36 लाख आंकड़े दिखा दिए गए थे। वैरिफिक्रेशन करवाने पर पता चला 21 लाख घरों में कनेक्शन ही नहीं हुए हैं। उप मुख्यमंत्री की तरफ से जो भी जवाब आया, विपक्षी विधायकगण संतुष्ट नहीं हुए और नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा कि जल जीवन मिशन योजना के क्रियान्वयन में वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में व्यय की गयी राशि की जानकारी दें? लक्ष्य के विरूद्ध अभी तक कितने घरों के लोग जल की सुविधा प्राप्त कर चुके हैं? उप मुख्यमंत्री अरूण साव की ओर से जवाब आया कि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में लक्ष्य के विरूद्ध अभी तक 31 लाख 16 हजार 398 घरों के लोग जल की सुविधा प्राप्त कर चुके हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि जल जीवन मिशन में मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, सरगुजा एवं सूरजपुर जैसे जिलों में लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया। अरुण साव ने कहा कि 2025 तक लगभग 31 लाख घरों में पानी दे चुके हैं। 2024 में यह योजना पूरी हो जानी चाहिए थी जो कि नहीं हुई। हमारी सरकार बनने के बाद 12 हजार 316 अतिरिक्त नलकूप कनेक्शन दिए गए। आप लोगों की जब

सरकार थी तो यह योजना 2 साल विलंब से प्रारंभ हुई। हमने 19 हजार 656 गांवों में नल कनेक्शन पहुंचाया। अभी की स्थिति में तेज गति से काम हो रहा है। बघेल ने कहा कि आपने हमारे समय का हवाला दे दिया। अब तो डबल इंजन वाली सरकार है। लक्ष्य की तरफ बढ़ते हुए दिखना चाहिए। फिर भी जल मिशन का काम कितने ही जिलों में पिछड़ा हुआ है। साव ने कहा कि सभी जिलों में काम चल रहा है। आपकी सरकार के समय में जल जीवन मिशन कनेक्शन के 36 लाख आंकड़े दिखा दिए गए। जब हमने वैरिफेकेशन करवाया तो पता चला 21 लाख घरों में ही कनेक्शन हुए हैं 15 लाख में नहीं। आप लोगों के समय में योजना पूरी हो गई होती तो आज ये हालात नहीं होते। बघेल ने कहा कि आप बता रहे हैं के हमने 36 लाख कनेक्शन दे दिए थे। पानी 21 लाख में ही पहुंच रहा है। दो साल में तो आप लोग 10 लाख कनेक्शन ही दे पाए, जबकि ट्रिपल इंजन वाली सरकार है। सवाल इस बात का है कि 21 लाख घरों में कैसे पानी नहीं पहुंच पा रहा है। बघेल की इस बात के समर्थन में उनके दल के विधायक उठ खड़े हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बघेल प्रश्न करने में सक्षम हैं। बाकी लोगों को हल्ला करने की जरूरत नहीं। प्रश्न को आगे बढ़ाया जाए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि अब तो चार इंजन सरकार है।

### प्लांट में दुर्घटनाएं, बालेश्वर साहू ने विधानसभा में जताया आक्रोश

रायपुर। सक्ती जिले में स्थापित आर.के.एम. पॉवरजेंन पॉवर प्लांट एवं डी.बी. पॉवर लिमिटेड में होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू ने आज विधानसभा में चिंता जताई। उन्होंने आक्रोशित होते हुए कहा कि प्लांट में अवैध डंपिंग के दौरान घायल हुए श्रमिक को मात्र 25 हजार मुआवजा देकर छुट्टी पा ली जाती है। प्रश्नकाल में बालेश्वर साहू का सवाल था कि जिला सक्ती के ग्राम उच्चपिंडा आर.के.एम. पॉवरजेंन पॉवर प्लांट व ग्राम बड़ाहरदा डी.बी. पॉवर लिमिटेड उद्योगों के संबंध में विगत 3 वर्षों में कब, किसके द्वारा, किसको एवं क्या शिकायत की गई है? इन शिकायतों पर क्या-क्या कार्यवाही की गई? जांच में कौन-कौन दोषी पाया गया तथा उनके विरूद्ध क्या-क्या कार्यवाही की गई?

## संक्षिप्त समाचार

### बैगा ग्राम अतरिया में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर आयोजित

**मुंगेली( समय दर्शन )** कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के लोरमी विकासखण्ड स्थित दूरस्थ पहुंचविहीन वनांचल बैगा ग्रामों में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिया जाता है। इसी कड़ी में बैगा ग्राम अतरिया में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 44 मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी के 05, बुखार व सर्दी-खांसी व बुखार के 08, दाद, खाज, खुजली के 07, बीपी के 04, कमजोरी एवं हाथ-पैर दर्द के 11, कान दर्द 01, चर्मरोग के 03, दांत दर्द व एनएनसी 02, आंख संबंधी बीमारी के 03 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। जिला क्षय-कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में संदेहास्पद टीबी मरीजों की बलगम सीसीनॉट मशीन में जांच के लिए एकत्र किया गया। इसके साथ ही बचाव व नियंत्रण के लिए पाम्पलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक अमिताभ तिवारी, पीएमडीटी समन्वयक धीरज रात्रे, आरएचओ मणिलाल पैकरा, मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

### पीआर यादव बने पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष, उमेश मुदलियार महामंत्री निर्वाचित

**राजनांदगांव।** छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन का पहला प्रांतीय अधिवेशन रविवार 13 जुलाई को बिलासपुर के प्रार्थना सभा भवन में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रदेशभर से जुटे पेंशनर्स की मौजूदगी में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई। सर्वसम्मति से पीआर यादव को प्रदेशाध्यक्ष और उमेश मुदलियार को प्रांतीय महामंत्री चुना गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के दुर्ग संभाग अध्यक्ष आनंदकुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्य पदाधिकारियों में सीएल दुबे को प्रांतीय सचिव, आरपी सिंह को उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद पर अन्य वरिष्ठ सदस्य को मनोनीत किया गया है। चुनाव प्रक्रिया में निर्वाचन अधिकारी जीआर चंद्रा और सहायक निर्वाचन अधिकारी किशोर शर्मा ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम में संघ के महामंत्री विजय लहरे, संभागीय अध्यक्ष आनंदकुमार श्रीवास्तव, अरुण देवांगन राजनांदगांव, दीपक ठाकुर कबीरधाम, श्री सिन्हा बेमेतरा, सीएस माली खैरागढ़-गंडई-छुईखदान, बीपी यादव दुर्ग, गोविंद मानिकपुरी बालोद सहित कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। सभा में पेंशनर्स के हितों की रक्षा और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। उपस्थित जनों ने संगठन को मजबूत बनाने व एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

### स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. लखनलाल मिश्र की प्रतिमा पर उत्तराधिकारी संगठन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

**दुर्ग।** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के संपूर्ण छत्तीसगढ़ अंचल से पधारे उत्तराधिकारीगण आज दुर्ग नगर निगम द्वारा स्थापित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित लखनलाल मिश्र की आदमकद प्रतिमा के समक्ष एकत्रित हुए एवं उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की शुरुआत गौरव स्थल में पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके पश्चात सभी सदस्य पंडित मिश्र की प्रतिमा स्थल पर पहुंचे। इस भावपूर्ण अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल, सेवानिवृत्त आईएएस गणेश शंकर मिश्रा, पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश बाजपेयी, प्रो. किशोर कुमार अग्रवाल, सुरेश मिश्रा, श्रीमती रमा जोशी, श्रीमती रेखा जोशी, घनश्याम सोनी, श्री सुनील बजारी सहित बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# नदी -नालों में बाढ़ की स्थिति में फिल्ड पर रहे एक्टिव - कलेक्टर

### तय समय -सीमा में गिरादावरी कार्य पूरा करने के निर्देश

### कलेक्टर ने की विभागीय कार्यो की समीक्षा

**बलौदाबाजार ( समय दर्शन )।** कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बरसात में जिले के नदी -नालों एवं जलाशयों में जल भराव की स्थिति को देखते हुए राजस्व अमले को फिल्ड पर एक्टिव रहने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि जले में अति वृष्टि के कारण नदी -नालों में जल भराव से कोई जन हानि या पशु हानि जैसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए। एसडीएम व तहसीलदार सतत मॉनिटरिंग करें और मैदानी अमलों को अलर्ट रखें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को आगामी अक्टूबर माह तक पूर्ण कराने मिशन मोड़ में कार्य करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।उन्होंने सीमांकन, आरबीसी 6-4 एवं भू अर्जन के प्रकारणो के निराकरण में भी तेजी लाने कहा।

कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ सीजन 2025 में फसल गिरदावरी 1 अगस्त से 30 सितम्बर 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने गिरदावरी कार्य हेतु पटवारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने खराब एवं जर्जर सड़कों के मरम्मत की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जर्जर सड़कों के मरम्मत में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान स्वामित्व योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, आधार सिडिंग,आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, धरती आबा अभियान, समय -सीमा के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, मिथलेश डोंडे सहित, एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

## पुलिस के द्वारा पत्रकारो से जानकारी छुपाने एवँ पुलिस के संदिग्ध रवैये के चलते नाराज पत्रकारो ने सौंपा ज्ञापन

### बढ़ते अपराध और निम्न कार्यवाही , पुलिस पर निष्क्रियता का लगाया आरोप

### पत्रकारो ने दी चेतावनी, पुलिस अपना रवैया सुधारे नही तो करेंगे धरना प्रदर्शन

**भाटापारा ( समय दर्शन )।** भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत थाना क्षेत्र में ड्रग्स, जुआ, सट्टा, शराब, के अपराधिक तत्व खुलेआम अपराध करते नजर आते है जिन पर पुलिस की कार्यवाही निम्न है और अगर कार्यवाही होती भी है तो वह संदिग्ध रूप मे दिखाई पड़ती है, संदिग्ध रवैये के चलते मिडिया कर्मीयों को उसकी जानकारी नही दी जाती या जानबुझ कर जानकारी देने मे देरी की जाती है। जिसके चलते मिडिया कर्मीयो में भाटापारा शहर थाना और ग्रामीण थानों की कार्यवाहियों को लेकर असंतोष व्याप्त है। वही थानों मे पुलिस के द्वारा फरियादीयो के साथ दुर्व्यव्हार की शिकायत मिलना आम बात है। पुलिस के इस रवैये से पुलिस और मिडिया के मध्य संवाद में मतभेद जैसी स्थिति निर्मित हो रही है जिसके कारण समाचार को लेकर मिडिया, पुलिस की सहयोग करने मे अपने आप को असमर्थ महसुस कर रही है। मिडिया कर्मीयों में पुलिस के खिलाफनाराजगी पनपने लगी है, पत्रकारो ने पुलिस को ज्ञापन सौंप कर पुलिस की कार्यप्रणाली और रवैये को ठीक कर अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी को ठीक से निर्वहन करने की मांग की वही अगर पुलिस व्यवस्था सही नही की जाएगी तो पत्रकारो ने धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसिंह सिदार एवम डीएसपी तारेश साहू को पत्रकारो ने ज्ञापन सौंपा । अधिकारियों ने पत्रकारों को आश्वाशन दिया जल्द व्यवस्था सुधारने का ।

## नशबंदी कराने सरकारी अस्पताल पहुंची महिला के पति से डॉक्टर ने मांगी चार हजार रिश्वत, खबर लगते अस्पताल पहुंचे कांग्रेसियों ने जमकर हो हल्ला किया

**पाटन।** शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन से एक शर्मनाक मामला सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पर एक डॉक्टर के द्वारा नसबंदी कराने आई महिला के पति से चार हजार रुपए की डिमांड की गई। यह डिमांड वार्ड बाय के माध्यम से किया गया। जैसे ही इसकी खबर पाटन के कांग्रेसियों को मिली तो बड़ी संख्या में तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन पहुंचे। वहां पर पहले तो खूब हल्ला मचाया गया वहीं जिस डॉक्टर पर नसबंदी के लिए चार रुपए रिश्वत मांग रहे थे उन पर तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेसी अस्पताल के बाहर डटे रहे। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बी कठौतिया के द्वारा आश्वासन दिया गया कि इसकी जांच कराई जाएगी तब कांग्रेसी शांत हुए । बता दे की ग्राम तेलीगुंडरा में रहने वाले पिंटू यादव आज अपनी पत्नी का नसबंदी ऑपरेशन कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन लाया था । वही ऑपरेशन से पहले ही वार्ड बॉय ने आकर पिंटू यादव से चार हजार देने की मांग की। जब पूछा गया कि पैसा क्यों मांग रहे हैं तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर को देना पड़ेगा। इसके बाद जब उन्होंने इसकी खबर कांग्रेस नेताओं की दी तो कांग्रेस के नेताओं ने अस्पताल जाकर खूब हंगामा मचाया। पिंटू यादव की लिखित शिकायत के बाद अब जांच के लिए टीम बनाई जाने की भी खबर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही है।

## जनदर्शन: दो मत्स्य पालकों को केसीसी योजना के तहत मिला 04 लाख से अधिक का चेक

### कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, नियमानुसार निराकरण के दिए निर्देश

**मुंगेली ( समय दर्शन )** जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी और नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने पथरिया विकासखण्ड के दो मत्स्य पालकों को केसीसी योजना के तहत मिला 04 लाख से अधिक का चेक प्रदान कर लाभान्वित किया। उन्होंने पथरिया विकासखण्ड के ग्राम अण्डा के दीपक कुमार कौशिक को मछलीपालन विभाग की केसीसी योजनांतर्गत 03 लाख रूपए का चेक और ग्राम चंदरगढ़ी के घनश्याम निषाद को 01 लाख 50 हजार रूपए का चेक प्रदान किया। दोनों हितग्राहियों दीपक और घनश्याम ने योजना का लाभ मिलने पर शासन-प्रशासन का आभार जताया। जनदर्शन में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान आमजनों द्वारा अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए, इनमें आवास, शौचालय, पेयजल, राशन, पेंशन, विद्युत आदि मूलभूत सुविधाओं से संबंधित आवेदन थे। जनदर्शन में पथरिया विकासखण्ड के ग्राम भिलाई निवासी प्रदीप कोशले ने भूमिहीन योजना का लाभ दिलाने, श्रीमती संध्या कोशले ने महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने, ग्राम जगताकापा के ग्रामीणो ने नवीन ट्रांसफार्मर लगवाने, ग्राम गोइन्द्रा निवासी श्रीमती गेवन बाई ने पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, ग्राम अमोरा के ग्रामीणों ने अघोषित विद्युत कटौती से निजात दिलाने, ग्राम बरछा की श्रीमती चम्पा ने पेंशन योजना का लाभ दिलाने, ग्राम भटगॉव की भूषण कुमार ने अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटि सुधार कराने, मुंगेली विकासखण्ड के पीथमपुर की रामप्यारी ने शौचायल निर्माण की स्वीकृति दिलाने, ग्राम टिंगीपुर के दशरथलाल ने सड़क दुर्घटना की मुआवजा राशि दिलाने, ग्रमा केशरूवाडीह सहित आसपास के ग्रामीणों ने तखतपुर से मौहाभाठा, कुकुसदा सड़क मार्ग की मरम्मत कराने, लोरमी विकासखण्ड के ग्राम खैरा के दिव्यांग लखनीचंद दिवाकर ने बैट्री चलित ट्रायसायकल दिलाने और ग्राम सांवतपुर के श्री भरत सिंह मरकाम ने पीएम विश्वकर्मा योजनांतर्गत ऋण दिलाने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण के संबंध में आवेदन सौंपा।

## कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें अधिकारी-कलेक्टर रणवीर शर्मा

### मुख्यमंत्री कार्यक्रम, स्वतंत्रता दिवस तैयारी एवं समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

**बेमेतरा ( समय दर्शन/-** जिला कार्यालय के दिशा भवन में आज कलेक्टर श्री रणवीर सिंह शर्मा की अध्यक्षता में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन स्तर पर संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और जिले में पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासन सुनिश्चित करने संबंधी निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मांगी गई जानकारियां समय पर और स्पष्ट रूप में भेजें तथा मुख्यमंत्री एवं उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। उन्होंने कर्तव्य निर्वहन में जवाबदेही सुनिश्चित करने एवं दायित्वों का समयबद्धता से निर्वहन करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने यह भी कहा कि किसी भी कार्य में लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**प्रतियोगिता परीक्षा में पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक-** बैठक में जिले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर परीक्षा की पारदर्शिता प्रभावित नहीं होनी चाहिए और किसी भी अवांछनीय गतिविधि की संभावना को प्रारंभिक स्तर पर ही निष्क्रिय किया जाए। परीक्षार्थियों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

**मुख्यमंत्री कार्यक्रम व स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष निर्देश-** कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रस्तावित जिले में संभावित आगमन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक तैयारी रखने और विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यक्रम का आयोजन सुचारू और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो, यह सभी विभागीय अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व को गरिमामय और प्रेरणादायक ढंग से मनाया जाना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने विभागीय दायित्वों का पालन शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार करें और बेहतर तालमेल से कार्यक्रम को सफल बनाएं।

**लंबित प्रकरणों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश-** बैठक के दौरान समय-सीमा के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़ी समस्याओं, आवेदनों व लंबित फाइलों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनदेखी पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

# बिजली दरों की बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा

## जिला स्तर से ब्लॉक स्तर तक चरणबद्ध आंदोलन की बनाई रणनीति, कहा डबल इंजन की भाजपा सरकार ने उपभोक्ताओं को दिया डबल आर्थिक करेंट

**दुर्ग ( समय दर्शन )।** प्रदेश में राज्य की भाजपा सरकार द्वारा बिजली की दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार कांग्रेस द्वारा जिला से ब्लॉक स्तर तक चरणबद्ध आंदोलन करने का फैसला किया गया है। जिसके अंतर्गत दुर्ग जिला के दुर्ग ग्रामीण एवं अहिवारा विधानसभा में 17 जुलाई और पाटन एवं धमधा ब्लॉक में 18 जुलाई को कांग्रेस द्वारा बिजली ऑफिस का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा दुर्ग जिला मुख्यालय के बिजली ऑफिस में 22 जुलाई को कांग्रेसियों द्वारा सामुहिक रुप से घेराव व प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई गई है। यह बातें दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश ठाकुर,दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गया पटेल और भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर की संयुक्त अगुवाई में मंगलवार को राजीव भवन दुर्ग (कांग्रेस भवन) में आयोजित प्रेसवार्ता में सार्वजनिक की गई। मीडिया से चर्चा में कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर, गया पटेल व मुकेश चंद्राकर ने राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए संयुक्त रुप से कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने डेढ़ साल के भीतर पहले युक्तियुक्तकरण के जरिए शिक्षकों, स्कूलें बंद कर विद्यार्थियों, नई शराब दुकानें खुलवाकर महिलाओं और डीएपी खाद व बीज उपलब्ध न करवाकर किसानों के साथ छल किया है। अब बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी कर उपभोक्ताओं को लुटने का कार्य राज्य सरकार द्वारा किया गया है। घरेलू बिजली की दर में 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट, गैर घरेलू बिजली की दर में 25 पैसे प्रति यूनिट और कृषि पंप के बिजली के दर में सर्वाधिक 50 पैसे प्रति यूनिट की दर से बढ़ोतरी की गई है। बिजली दरों की वृद्धि ने आसमान छुती महंगाई में उपभोक्ताओं की कमर तोड़ने वाली है। दरों में यह वृद्धि कर डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को डबल आर्थिक करेंट दे दिया गया है। चर्चा में पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार को जनता और किसानों की परवाह नहीं है। इसलिए भाजपा सरकार द्वारा डेढ़ साल के कार्यकाल में तीन बार बिजली की दरों में वृद्धि की गई है। राज्य में लगभग 60 लाख उपभोक्ता है। बिजली दर वृद्धि का हर घर व दुकानदार पर असर पड़ेगा। यह वृद्धि उपभोक्ताओ की कमर तोड़ने वाली वृद्धि है। श्री वोरा ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व भूपेश बघेल सरकार ने उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ का लाभ दिया था, लेकिन इस जनकल्याणकारी योजना को राज्य की भाजपा सरकार ने सत्ता संभालते ही बंद कर दिया था। भाजपा जरुर महतारी वंदन के नाम पर महिलाओं को 1 हजार रुपए दे रही है, लेकिन इस 1 हजार के बदले भाजपा सरकार अन्य जरुरी आवश्यकताओं की रेट बढ़ाकर उपभोक्ताओं से 5 हजार रुपए वसूल कर रही है। भाजपा की यह नीति उपभोक्ताओं के जेब में डाका है। दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार की हर नीति फेल है। जिससे जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है। बिजली दर में वृद्धि से उपभोक्ता व किसानों के साथ छल किया गया है। किसानों को एक ओर जहां सोसायटियों से डीएपी खाद नहीं मिल रहा है, वहीं कृषि पंप के बिजली दर में वृद्धि कर राज्य की भाजपा सरकार द्वारा किसानों के साथ बड़ा अन्याय किया गया है। उन्होने कहा है कि राज्य की भाजपा सरकार में डीएपी खाद की कालाबाजारी हो रही है। डीएपी के विकल्प के तौर पर नैनो एनपीके खाद दिया जा रहा है, लेकिन नैनो एनपीके खाद धान के लिए ज्यादा उपयोगी नहीं है। पहले जो डीएपी खाद के एक बोरी से उत्पादन होता था। उसके लिए किसानों को अब नैनो एनपीके खाद की तीन बोरी का खर्च वहन करना पड़ेगा, जो किसान हित में बिल्कुल नहीं है। राज्य की भाजपा सरकार की मंशा है कि किसानों का धान उत्पादन 20 क्विंटल से कम हो तो धान खरीदी में राशि भुगतान कम करना पड़ेगा। दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गया पटेल ने कहा है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने लोगों की आय दुगुना करने का वादा किया था,लेकिन आज तक किसी की आय दुगुनी नही हुई है। किसानों की आमदनी घटी है। उपभोक्ता व किसान भाजपा सरकार की छलावे को समझ चुकी है। अब वे उनके बहकावे में नहीं आने वाले है। प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व मंत्री बीडी कुरैशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव राजेन्द्र साहू, पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार, आरएन वर्मा, धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस सचिव अय्यूब खान,दीपक दुबे, पूर्व सभापति राजेश यादव, राजकुमार नारायणी, पूर्व पार्षद अलताफ अहमद,नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय मिश्रा, कांग्रेस प्रवक्ता नासिर खोखर, युकां प्रदेश महासचिव संदीप वोरा, युवा नेता मोहित वाल्दे व अन्य नेता मौजूद रहे।

# पहली बार लाभांडी दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास का आयोजन

**रायपुर ( समय दर्शन )।** राजधानी रायपुर के इतिहास में यह पहला अवसर है जब लाभांडी के 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास का आयोजन किया जा रहा है। पावन वर्षायोग 2025 का शुभारंभ आर्यिका अंतर्मति माताजी की ससंघ के पावन सानिध्य में कलश स्थापना और ध्वजारोहण के साथ हुआ। कलश स्थापना समारोह में अरुण भैया, संजीव भैया कटंगी, सुनील भैया रायपुर, अंकित भैया भिलाई के साथ प्रतिभास्थली से पधारी दीदियां विशेष रूप से उपस्थित थी । प्रमुख कलश की स्थापना का सौभाग्य समाज श्रेष्ठी हनुमान प्रसाद, राजकुमार, विनोद कुमार, दिलीप कुमार जैन बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ ।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के भामाशाह विनोद बडजात्या परिवार द्वारा 3000 स्क्वायर फीट भूमि लभांडी मंदिर के लिए दान की घोषणा की गई । साथ ही पदम चंद जितेंद्र गदिया, रतनलाल संजय बढ़जात्या, सज्जन बड़जात्या, गुलाबचंद मनसुख पाटौदी रांची, केशरी चंद मनीष जैन बिलासपुर, श्रीसनत जैन चूड़ी वाले, संजय जैन साइंटिस्ट, संजय जैन सतना, रवि सेठी सहित समाज जनों ने मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त किया।

समारोह का संचालन चंद्रकांत जैन राजनंदगांव द्वारा किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों सहित रायपुर जैन समाज ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया । आराधना के क्रम में रविवार सुबह 6 बजे अभिषेक शांतिधारा, 6.30 बजे पूजन, 7 बजे ध्वजारोहण और मंडप उद्घाटन, 7.30 बजे मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं आचार्य विद्यासागर स्मारक अनावरण के साथ आचार्य जी की दीक्षा दिवस पर आयोजित पूजनकर्ता को पुरस्कार वितरण हुआ। इसके पश्चात 8.30 बजे शास्त्र भेंट, महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण, सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा चातुर्मास निवेदन, 9 बजे आचार्य भगवन की पूजन, 9.30 बजे कलश स्थापना और 10 बजे आर्यिका संघ का प्रवचन हुआ। पावन वर्षायोग 2025 समिति ने ससंघ से चातुर्मास का निवेदन किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

**आध्यात्म और आत्मा से जुड़ने का समय है चातुर्मासः आर्यिका अंतर्मति माताजी**– लाभांडी स्थित 1008 पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में पावन वर्षावास 2025 के कलश स्थापना के दिन रविवार को आर्यिका अंतर्मति माताजी ने कहा कि वर्षा ऋतु के आगमन के साथ चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है। यह चार महीने का विशेष काल जैन धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है।

यह केवल मौसम के परिवर्तन का समय नहीं, बल्कि आत्मा के भीतर झांकने और उसे संवारने का अवसर है। चातुर्मास त्याग, संयम और धर्म की साधना का काल है। इस दौरान आमतौर पर विवाह, यात्राएं, उत्सव और सामाजिक गतिविधियां स्थगित कर दी जाती हैं। मान्यता है कि जब बाहरी दुनिया की चहल-पहल शांत हो जाती है, तभी व्यक्ति अपने भीतर के संसार से जुड़ सकता है। विशेष बात यह है कि चातुर्मास की जिनवाणी केवल श्रवण तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह वाणी हमारे जीवन का आधार है। केवल सुनने से जीवन नहीं बदलता, जब तक हम उसे अपने आचरण में न उतारें। अगर जिनवाणी को जीवन में लागू नहीं कर पाए, तो जीवन की गाड़ी कभी संतुलन में नहीं आ पाएगी। परमात्मा की वाणी को केवल बाहर से सुनने का कोई लाभ नहीं, जब तक वह हमारे व्यवहार और सोच में प्रकट न हो। जितना हम उस वाणी को आत्मसात करेंगे, उतना ही जीवन में स्थिरता और सच्चा आनंद मिलेगा। चातुर्मास का अर्थ है कि धर्म की लाइन ऑन और सांसारिक जीवन की गतिविधियों पर विराम। इन चार महीनों में आत्मिक साधना को प्राथमिकता दी जाती है। यह समय होता है अपने करीब आने का, स्वयं से जुड़ने का। जितना व्यक्ति अपने भीतर उतरता है, उतना ही वह परमात्मा के निकट पहुंचता है। चातुर्मास हमें याद दिलाता है कि असली सुंदरता शरीर में नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धता में छिपी होती है। इसलिए यह काल केवल पर्व नहीं, आत्मविकास की यात्रा है।

## संक्षिप्त समाचार

### छग की जनजातीय संस्कृति विश्व पटल पर होगी स्थापित: केन्द्रीय मंत्री उईके

**रायपुर ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर आधारित जनजातीय संग्रहालय का केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने अवलोकन किया और नवा रायपुर में बनाए गए इस संग्रहालय में आदिवासी जीवन शैली के प्रस्तुतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय के जरिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृति विरासत विश्व पटल पर स्थापित होगी। इससे जनजातीय युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति आत्मगौरव का भाव जगेगा।

इस अवसर पर आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मंत्री राम विचार नेताम भी उपस्थित थे। केन्द्रीय जनजातीय राज्यमंत्री दुर्गादास ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातियों के संर्वागीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने संग्रहालय के निकट ही बनाए जा रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय के निर्माण की समीक्षा की। इस संग्रहालय के लिए केन्द्र सरकार ने 45 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है। इस संग्रहालय को आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख सचिव बोरा ने इस दौरान संग्रहालय में प्रयुक्त डिजीटल एवं एआई तकनीक के संबंध में जानकारी दी। बैठक में टीआरटीआई के संचालक जगदीश कुमार सोनकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

**संग्रहालय में 14 गैलरियों में जनजातीय जीवनशैली के विभिन्न अवसरों का है झलकियां**– जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय संस्कृति, जीवनशैली और परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए 14 गैलरियों का निर्माण किया गया है। संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में जनजातीयों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई, कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों को दर्शाया गया है। संग्रहालय में सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाड़िया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि प्रदर्शित किए गए हैं।

### कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी रणनीति

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत की अध्यक्षता में विधायक दल की बैठक सम्पन्न हुई। विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक गण भोलराम साहू, लालजीत सिंह राठिया, लखेश्वर बघेल यशोदा वर्मा, देवेन्द्र यादव, द्वारिकाधीश यादव, दिलीप लहरिया, उत्तरी गणपत जांगड़े, शेषराज हरबंश, अटल श्रीवास्तव, ब्यास कश्यप, राघवेन्द्र सिंह, चतुरी नंद, फूलसिंह राठिया, कविता प्राणलहरे, संदीप साहू, ओंकार साहू, इंद्र सावं, हर्षिता स्वमी बघेल, पीसीसी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, कांग्रेस विधायक दल सचिव अमित पांडे, पीसीसी संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, पीसीसी वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी उपस्थित थे।

### परिवार से परमात्मा तक की यात्रा का मार्ग है धर्म : मनीष सागर

**रायपुर।** परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने रविवार को विशेष प्रवचन श्रृंखला में परिवार से परमात्मा तक यात्रा विषय पर प्रवचन दिया। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार से परमात्मा तक की यात्रा का मार्ग धर्म है। अपने परिवार में स्वच्छ,शांति का वातावरण निर्मित करें, कलह से बचें। कलह में पड़कर आप स्वयं और अपने परिवार का विकास नहीं कर पाएंगे। हमारी पहली प्राथमिकता है खुद को सुधारना। परिवार के सभी सदस्य यदि ऐसा सोचेंगे तो परिवार में शांति का माहौल होगा,कलह नहीं होगी। सभी शांत मन से धर्म से जुड़कर परिवार से परमात्मा तक की यात्रा तय करेंगे। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि सभी आनंद के साथ जीवन जीना चाहते हैं।

हमको ऐसा आनंद लेना है जो गंगा के प्रवाह से जैसा हो। इस आनंद को पाने की ट्रेनिंग स्कूल परिवार है। यदि परिवार में अच्छे से ट्रेनिंग ले ली तो हताशा और निराश नहीं होगी। हमें ऐसा स्वभाव रखना है, ऐसा जीने का तरीका डेवलप करना है जो सबको पसंद आए। इससे हम खुद भी आनंद में रहे और लोगों को भी आनंद में रखें। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता है स्वयं को सुधारना। हम अपनी साधना करने ही इस मनुष्य भव में आए हैं। पहले हमें स्वयं को देखना है लेकिन हम दूसरों को देखने में व्यस्त रहते हैं इसलिए अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाते हैं। हम ऐसा मनोभाव डेवलप करें कि जीना है परिवार के साथ। अपना और अपने परिवार का विकास सभी आनंद से परमात्मा जुड़ें। हमारा एक मात्र लक्ष्य होना चाहिए सद्गति की प्राप्ति। हम मनुष्य भव में आए हैं तो किस दुर्गति से आए हैं,यह ज्ञान रहे कि इस दुर्गति को दूर करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि राग और द्वेष की जकड़ से हम निकल नहीं पा रहे हैं। परिवार में भी हमें सभी से प्रेम से रहना है।

# विधानसभा में उठा शिक्षकों की कमी का मुद्दा: 25,907 पद खाली, मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

**रायपुर ( समय दर्शन )।** विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत से ही राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा गरमा गया। अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के लिखित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि प्रदेश के कुल 48,559 शासकीय स्कूलों में 25,907 शिक्षकीय पद रिक्त हैं।

**कितने स्कूल और कितने पद खाली ?**

मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में संचालित सरकारी स्कूलों का वर्गीकरण इस प्रकार है:

**प्राथमिक शाला: 30,726**

पूर्व माध्यमिक शाला: 13,085

**हाई स्कूल: 1,872**

हायर सेकेंडरी स्कूल: 2,876

इन स्कूलों में निम्नलिखित प्रमुख पद रिक्त हैं:

**प्राचार्य: 3,443**

**व्याख्याता: 6,773**

**प्रधान पाठक ( पूर्व माध्यमिक ): 2,984**

**शिक्षक: 4,750**

**प्रधान पाठक ( प्राथमिक ): 1,533**

**सहायक शिक्षक: 6,424**

कुल रिक्त पद: 25,907

**भर्ती की योजना क्या है ?**

जब विधायक सिंह ने रिक्त पदों पर भर्ती की समयसीमा और कार्ययोजना के बारे में पूछा तो मुख्यमंत्री ने लिखित जवाब में कहा कि भर्ती एक सतत प्रक्रिया है और इसकी समय-सीमा तय करना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया चल रही है लेकिन इसे पूरा होने में समय लगेगा।

**यू-डाइस नंबरों की स्थिति**

सदन में यह सवाल भी उठा कि युक्तियुक्तकरण से पहले और बाद में कितने शासकीय स्कूल यू-डाइस नंबर से संचालित हो रहे हैं? मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में कुल 4859 यू-डाइस नंबर थे, लेकिन युक्तियुक्तकरण के बाद सभी 48,559 स्कूलों के लिए यू-डाइस नंबर उपलब्ध हैं।

**विपक्ष का तंज, शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल**

इस जवाब के बाद कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही है और सरकार शिक्षकों की भारी कमी के बावजूद भर्ती में टालमटोल कर रही है। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जब एक स्कूल में पर्याप्त शिक्षक नहीं होंगे, तो शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ेगा। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पदों की भारी कमी और भर्ती में देरी से शिक्षा की स्थिति पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

# तरपोंगी टोल पर प्रदर्शन के बाद NSUI के 9 पदाधिकारियों के खिलाफFIR...

**रायपुर ( समय दर्शन )।** छात्र और युवा हितों को लेकर तरपोंगी टोल प्लाजा पर किए गए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद एनएसयूआई के 9 पदाधिकारियों पर एफ्आईआर दर्ज की गई है। एफ्आईआर को लेकर एनएसयूआई ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे दबाव की राजनीति करार दिया है। संगठन ने साफकिया है कि वह छात्रों और युवाओं की लड़ाई से पीछे नहीं हटेगा।

**किन-किन पर दर्ज हुई एफ्आईआर ?**– प्रशासन ने जिन एनएसयूआई नेताओं पर नामजद एफ्आईआर दर्ज की है, उनमें नीरज पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष, अमित शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रशांत गोस्वामी, जिला अध्यक्ष, विशाल कुकरेजा, वैभव मुँजेवार, गावेश साहू, लोमन सोनवानी, जग्गू जांगड़े, जितेश वार्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

**छात्रों की आवाज़ को दबाने की कोशिश**– एनएसयूआई का कहना है कि यह कार्यवाही पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है और

इसका मकसद छात्रों और युवाओं की बुनियादी मांगों को कुचलना है। प्रदर्शन के केंद्र में स्थानीय युवाओं को रोजगार, शांतिपूर्ण यातायात, और नागरिक सम्मान की माँगें थीं।

**नीरज पांडेय बोले: हम डरने वाले नहीं**– प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, टोल प्रबंधन और शासकीय अधिकारियों की मिलीभगत से झूठी एफ्आईआर दर्ज कर हमें डराने की कोशिश की गई है। लेकिन एनएसयूआई डरने वाली नहीं है। यह लड़ाई छात्रों और युवाओं के अधिकारों की है और हम इसे अंजाम तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, लेकिन प्रशासन ने अपनी विफ्लता छिपाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई की।

एनएसयूआई ने प्रशासन के सामने निम्नलिखित मांगें रखी हैं:

टोल प्लाजा प्रबंधन की जांच

जबरन वसूली और अव्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई

छात्रों और युवाओं की समस्याओं को प्राथमिकता

नामजद नेताओं पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं

एनएसयूआई ने साफ किया है कि वह डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश के सामने झुकने वाली नहीं है।

संगठन ने यह भी चेताया कि यदि छात्रों की मांगें नहीं मानी गईं और एफ्आईआर वापस नहीं ली गई, तो आंदोलन को और तेज़ किया जाएगा।

# खाद-बीज संकट पर सदन में विपक्ष का हंगामा, निलंबित होने के बाद धरने पर बैठे...

**रायपुर ( समय दर्शन )।** विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन ही प्रदेश में खाद-बीज संकट को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने शून्यकाल में राज्यभर में किसानों को खाद की भारी किल्लत का मुद्दा उठाया और इस पर स्थगन प्रस्ताव के जरिए चर्चा की मांग की। डॉ. महंत ने कहा, प्रदेश का किसान परेशान और आक्रोशित है। सरकार की नाकामी के कारण खाद की भारी कमी है, इस पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। उनके इस प्रस्ताव का समर्थन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व मंत्री उमेश पटेल ने भी किया। बघेल ने कहा कि किसान दोगुनी कीमत पर खुले बाजार से खाद खरीदने को मजबूर हैं। उमेश पटेल ने ट्रक खाद की कमी को गंभीर चिंता का विषय बताया।

**कृषि मंत्री का जवाब और आसंदी का फैसला**– कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इस मुद्दे पर सदन में अपना वक्तव्य दिया। लेकिन वक्तव्य के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने

कहा कि मंत्री के जवाब से वह संतुष्ट हैं और इसलिए विपक्ष का स्थगन प्रस्ताव नामंजूर किया जाता है।

इस फैसले से नाराज कांग्रेस विधायकों ने गर्भगृह तक पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी विधायकों ने सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया और विधानसभा में जमकर विरोध जताया। गर्भगृह में प्रदर्शन के चलते कई कांग्रेस विधायकों को निलंबित कर दिया गया।

गांधी प्रतिमा के सामने धरना

विधानसभा से बाहर आने के बाद कांग्रेस विधायकों ने गांधी प्रतिमा के सामने धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। विधायकों ने सरकार पर किसानों की आवाज दबाने और गंभीर मुद्दों से भागने का आरोप लगाया। किसान विरोधी सरकार के नारे लगाते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक किसानों को खाद-बीज की सुविधा नहीं मिलती, उनका संघर्ष जारी रहेगा। विधानसभा के पहले दिन ही गरमाई सियासत ने साफकर दिया है कि मानसून सत्र में किसान, खाद और कृषि संकट प्रमुख मुद्दा बने रहेंगे।

## प्रोजेक्ट छाँव की शुरुआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई

# कलेक्टर एवं उनके परिजनों ने भी स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण करवाया

**रायपुर ( समय दर्शन )।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रोजेक्ट छाँव की शुरुआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर संभागायुक्त श्री महादेव कावरे थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री कावरे ने सभी डॉक्टरों को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

साथ ही शासकीय अधिकारी कर्मचारियों सहित आम जन के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है 7 प्रोजेक्ट छाँव जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल है, जिसमें राजस्व विभाग के

अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट छाँव शासकीय कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रारंभ किया गया है। विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सदैव जनसेवा में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वे स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य की जाँच नहीं करवा पाते। मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सभी का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत आज राजस्व विभाग से की गई।

इस स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गईं। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम एक स्वस्थ और सशक्त समुदाय का निर्माण करना चाहते हैं। प्रोजेक्ट छांव में कलेक्टर से लेकर कोटवार तक सभी अपने परिवारजन सहित शामिल हुए 7 इस दौरान कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की धर्मपत्नी एवं माताजी ने मैमोग्राफी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करवाई 7 इस अवसर पर डॉ. गौरव सिंह ने सभी हेल्थ काउंटरों, बालको मेडिकल सेंटर की मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन एवं एमजीएम आई हॉस्पिटल की मोबाइल आई क्लिनिक का निरीक्षण भी किया।

यह प्रोजेक्ट छाँव शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों के समग्र कल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और एक स्वस्थ, सशक्त समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा पाँच कोटवारों को मौके पर ही श्रमिक कार्ड बनवाकर प्रदान किए गए। कोटवार संघ द्वारा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। महिलाओं के लिए मैमोग्राफी जांच :- मैमोग्राफी (Mammography) एक विशेष प्रकार की एक्स-रे जांच है जो महिलाओं की स्तनों (ब्रेस्ट्स) की जांच के लिए की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना होता है, जब लक्षण अभी दिखाई नहीं देते हैं। सोनोग्राफी (Sonography) एक गैर-विकिरण आधारित जांच है जिसमें ध्वनि तरंगों का उपयोग कर शरीर के अंदरूनी अंगों की छवि बनाई जाती है। जिससे बीमारी का पता लगाया जा सके। इको हार्ट की सोनोग्राफी है। इसमें हाई-फ्रीक्वेंसी साउंड वेव्स का उपयोग कर दिल की धड़कन, वाल्व्स, चेम्बर्स और ब्लड फ्लो को देखा जाता है। श्रेष्ठ मशीन आपके शरीर पर लगाए गए इलेक्ट्रोड्स के माध्यम से दिल की धड़कनों को रिकॉर्ड करती है। इससे पता चलता है कि आपका दिल कितनी नियमितता से और कितनी तेज़ी से धड़क रहा है।

# संपादकीय

## अमीर और अमीर

साहसिक स्वीकारोक्ति, सच्चाई का सामना या सरकार को आईना दिखाना कहें, या कुछ और लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा उसे सरकार के रुख के विपरीत तो कहा ही जा सकता है। उन्होंने जो कहा उसका साफ-साफ अभिप्राय यही है कि देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है, अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब संयुक्त राष्ट्र के हवाले से कुछ समय पहले कहा गया था कि देश में 33 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। संघ और अपने गढ़ नागपुर में एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि धन का विकेंद्रीकरण जरूरी है। उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की। उनका इशारा अमीरों के धन पर शिंकजा ढीला करने की तरफ था। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उदार आर्थिक नीतियां अपनाने के लिए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहनसिंह की प्रशंसा की। उनके अनुसार ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार चल रहा है, जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। केंद्रीय मंत्री सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन से चिंतित दिखाई दिए। विनिर्माण क्षेत्र 22-24 फीसद, सेवा क्षेत्र 52-54 फीसद योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 फीसद हिस्से को शामिल करने के बावजूद केवल 12 फीसद योगदान देती है। कृषि क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में और अधिक होना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की पीठ ठोकते हुए केंद्रीय मंत्री ने उनमें अन्य क्षेत्रों में भी दखल बढ़ाने को कहा। वे अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित न रहें। गडकरी ने अपने मंत्रालय के काम का हवाला देते हुए कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कमी नहीं है। मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्हें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि जनता से पैसा वसूल कर खजाना भरना ही योग्यता नहीं है। गरीबों की बढ़ती संख्या और चंद लोगों के अमीर होते जाने की स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

## सत्ता की खातिर हिंदी विरोध की राजनीति

देश में गरीबी, भुखमरी, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं तथा चहुंमुखी विकास जैसे मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के आधार पर सत्ता पाने के सस्ते प्रयासों को देश के मतदाताओं ने कई बार नकार दिया है। चूंकि देशहित और विकास से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करने के लिए समझ और योजना चाहिए, इसके विपरीत भावनात्मक मुद्दे को कुरेद कर समाज को बांटने में जोर नहीं पड़ता, इसलिए नेताओं का प्रयास यही रहता है कि सत्ता की खातिर ऐसे मुद्दों को भुनाया जाए। महाराष्ट्र में हिंदी को मुद्दा बना कर ऐसे ही प्रयास किए गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंग्रेजी को पूरे अमरीका में अनिवार्य किया है। इस आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्दिष्ट भाषा एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण समाज का मूल है। इससे संयुक्त राज्य अमरीका ऐसे नागरिकों से मजबूत होता है जो एक साझा भाषा में विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान कर सकते हैं। इसके विपरीत हिंदी को लेकर महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों गुट राजनीति चमकाने में जुटे हुए हैं। इसके लिए उन्हें हिंसा से भी परहेज नहीं है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का प्रयास है कि अमरीका में अंग्रेजी की तरह भारत में भी एक ऐसी भाषा होनी चाहिए, जिसे देश की एक सर्वमान्य भाषा बनाया जा सके। इसी प्रयास के तहत मौजूदा शिक्षा प्रणाली में हिंदी को अनिवार्य किया गया है। महाराष्ट्र में भाजपा से सत्ता हासिल करने के लिए शिव सेना के दोनों गुटों ने हिंदी विरोध को हथियार बना लिया है। महाराष्ट्र में ठाकरे बंधुओं यानी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का लगभग 20 साल बाद ऐतिहासिक पुनर्मिलन हुआ। उद्धव और राज ठाकरे, जो 2005 में मालवन विधानसभा उपचुनाव के बाद से एक साथ मंच पर नहीं दिखे, उन्होंने मराठी भाषा और अस्मिता के लिए एकजुट होकर भाजपा नीत महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम एक साथ आए हैं और अब एक साथ रहेंगे। राज ठाकरे ने सरकार पर मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की कोशिश का भी आरोप लगाया और मराठी अस्मिता को कमजोर करने की साजिश का भी जिक्र किया तथा यह तक कह दिया कि यदि कोई मराठी का विरोध करे तो कान के नीचे बजा दो। यानी थप्पड़ वाली राजनीति महाराष्ट्र में एक बार फिर से जोर पकड़ सकती है। यह रैली मूल रूप से 16 अप्रैल 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीआर) के खिलाफ विरोध के रूप में प्रस्तावित थी, जिसमें हिंदी को कक्षा 1 से 5 तक अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था। मराठी संगठनों और विपक्षी दलों, विशेष रूप से शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के तीव्र विरोध के बाद, सरकार ने 29 जून को दोनों जीआर (मूल और संशोधित) वापस ले लिए। इस जीत को मराठी एकता का प्रतीक बताते हुए दोनों भाइयों ने रैली को 'विजय मेलावा' में बदल दिया। रैली के दौरान राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार की पिटाई कर दी। इस घटना के खिलाफ गुजराती और मारवाड़ी दुकानदारों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लोग मराठी भाषा को जबरदस्ती थोपने के नाम पर हो रही गुंडागर्दी के खिलाफ थे। मनसे का जवाबी प्रदर्शन अपने कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन से मनसे के कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने मीरा रोड पर जबरदस्त हंगामा किया। इस हंगामे का मकसद हिंदी भाषियों पर मराठी बोलने का दबाव बनाना था। मनसे ने इस प्रदर्शन को लेकर कोई अनुमति नहीं ली थी। इस वजह से महाराष्ट्र पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मराठी विवाद के समर्थक नेताओं को यूपी-बिहार में पटक-पटक कर पीटने की चेतावनी दी, तो वहीं इसके जवाब में उद्धव ठाकरे ने इस तरह के बयान देने वालों को लकड़बग्घा कहा। महाराष्ट्र में मराठी बनाम हिंदी भाषी की यह लड़ाई नई नहीं है। यह समय-समय पर राजनीतिक जरूरत के हिसाब से सडक़ पर उतरती रही है। मराठी बनाम हिंदी की हालिया जंग, ठाकरे बंधुओं की गठजोड़ की देन है।

# मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

**ललित गर्ग**

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है? भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा। भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है? विपक्ष का यह रवैया यह दर्शाता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है।

एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों ?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ-सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। लोकतंत्र 'जो है, उसे प्रतिबिंबित करे', न कि 'जो चाहिए, उसे निर्मित करे'।

# अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

**विनीत नारायण**

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए।

अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, 'क्या कमाल की सवारी थी!' यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे 'शिशु की तरह चलना सीखने' जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ़ने और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है। इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, 'मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।' ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में 'काफी सोया' जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है। 41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम-4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, 'इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगे।' शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम-4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाई। इसरो ने शुभांशु के लिए भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के आयोजन की योजना बनाई है, जो नई पीढ़ी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा। भारत ने 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, स्थापित करने और 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्त्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्ष से संदेश में कहा, 'मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं।' यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को '1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक' बताया है। यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है, जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए भी प्रेरित करती है।

# अक्सर अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती महिलाएं

**ललित**

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बन कर भी उभर रहा है।

इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया हैं। इन नेताओं के बयान से भारी जनाक्रोश पैदा हो गया।

इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अंदर एवं बाहर, दोनों मोचरे पर घिरती हुई नजर आ रही है। इस मामले में पार्टी के अंदर गुटबाजी सामने आई है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा टीएमसी ने अपनी पार्टी के नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इनके बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही हैं।

अक्सर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती हैं। ऐसे बयानों के बावजूद ऐसे नेता कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं, तो कभी रेप जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसके साथ ही यह चिंताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना नेताओं के लिए सामान्य बात है।

जहां देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि समाज, व्यवस्था और सोच के लिए आइना भी बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिर को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है।

पीड़िता एक लॉ कॉलेज में छात्रा थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ रेप किया। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी।

सबसे दुखद यह है कि ऐसी घटनाओं में सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। उनकी पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद बयान पर खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही गर्भवती महिला के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं, और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी?' इस पर पार्षद को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अक्सर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था, 'महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित करके उनका भत्ता रोक दिया गया था।

निस्संदेह, टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिए परिणाम तय होने चाहिए। अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बननी चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों मामलों में विफल प्रतीत होती है। अत्याचारियों के लिए त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए।

आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होते रहना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं, तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

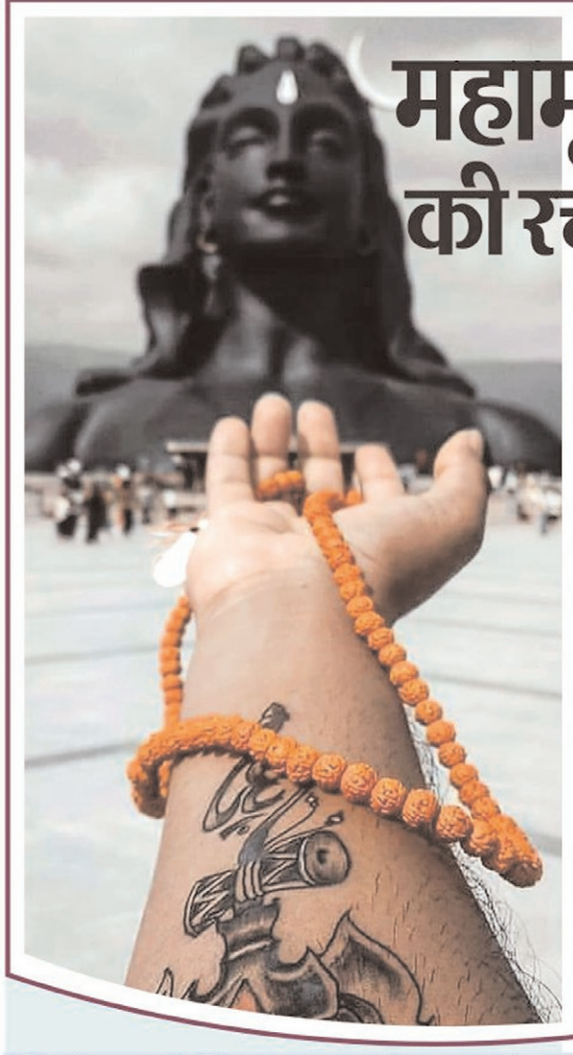

# महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

**महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?**

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

*महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।*
*उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात*

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए. पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। साथ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

# 10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

# विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश: गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत: प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

# शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

**भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिव्राजक है अर्थात जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।**

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

# श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

### श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

### मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं। शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

•इमरती •खीर •मावा लड्डू •ड्रायफ्रूट्स •रबड़ी •मालपुए •खोपरापाक •बूंदी के लड्डू •बर्फी •बेसन के व्यंजन •कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई •पेड़ा •घेवर •सतू की मिठाई •हलवा •पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

# बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

**चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।**

### बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चा हनन्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महे श्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकु सुम प्रिय।

## संक्षिप्त समाचार

### छात्रा सौम्याश्री की आत्महत्या पर आक्रोश, एबीवीपी ने किया विभागाध्यक्ष का पुतला दहन

**राजनांदगांव।** उड़ीसा के बालेश्वर स्थित फक्कीर मोहन महाविद्यालय में घटित छात्रा सौम्याश्री आत्महत्या मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कड़ा विरोध जताया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने रविवार को कॉलेज के विभागाध्यक्ष समीर साहू का पुतला दहन कर प्रशासन की निष्क्रियता पर तीखी नाराजगी जाहिर की। एबीवीपी के जिला संयोजक जीत प्रजापति ने कहा कि छात्रा सौम्याश्री द्वारा लगातार विभागाध्यक्ष समीर साहू पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था, परंतु कॉलेज प्रशासन व स्थानीय प्रशासन ने गंभीर शिकायत के बाद भी कोई कठोर कार्रवाई नहीं की। अंतत: मानसिक रूप से आहत होकर छात्रा ने आत्मदाह कर लिया, जो अत्यंत पीड़ादायक और व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है। प्रांत सह संयोजक सुश्री चांदना श्रीवास्तव ने कहा कि छात्रा की शिकायतों को नजरअंदाज करना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि दोषी विभागाध्यक्ष समीर साहू पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने देश के हर कॉलेज में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के गठन की भी मांग की, जिससे ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और छात्राओं को न्याय मिल सके। प्रदर्शन के दौरान नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य धनंजय पांडे, नगर सह निकिता श्रीरंगे, भूपेंद्र पाल, जीत शर्मा, अंशराज भाटिया, यश साहू, कुलदीप पाल, अभिनव बाजपेयी, धन्नू टंडन, विवेक कुमार, नितिन सेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व छात्र उपस्थित रहे।

एबीवीपी ने इस पूरे घटनाक्रम की कड़ी निंदा करते हुए सौम्याश्री के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और चेताया कि यदि दोषी पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो परिषद आंदोलन तेज करेगी।

### प्रदेशव्यापी आंदोलन : NHM कर्मियों की दो दिवसीय हड़ताल

**16 को जिलों में और 17 जुलाई को रायपुर में विधानसभा घेराव**

**बेमेतरा (समय दर्शन)।** छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 16,000 से अधिक संविदा कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर 16 जुलाई को जिला स्तर पर एवं 17 जुलाई को राजधानी रायपुर में विधानसभा घेराव के माध्यम से प्रदेशव्यापी आंदोलन में शामिल होंगे। 20 वर्षों से कार्यरत इन कर्मचारियों द्वारा नियमितीकरण, ग्रेड-पे, मेडिकल अवकाश, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना सहित 10 सूत्रीय मांगों के लिए सतत संघर्ष किया जा रहा है। कोरोना महामारी के दौरान इन कर्मियों ने जान जोखिम में डालकर बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के प्रदेश की जनता की सेवा की, कई कर्मचारियों ने अपनी जान तक गंवाई। इसके बावजूद ये कर्मचारी बीते दो दशकों से बिना किसी नौकरी सुरक्षा के कार्य कर रहे हैं। अब आम जनता के बीच भी यह मांग जोर पकड़ चुकी है कि एनएचएम कर्मियों को नियमित किया जाए और उन्हें उनका वाजिब हक दिया जाए। क्रमबद्ध आंदोलन के अंतर्गत अब तक प्रदेश के 90 विधायक, 16 सांसद और भाजपा जिलाध्यक्षों को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। विगत 4 दिनों से एनएचएम कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्यस्थलों पर सरकार के प्रति विरोध दर्ज करा रहे हैं। संघ के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष पूरन दास का कहना है कि विगत वर्षों में 100 से अधिक बार विभागीय अधिकारियों, मंत्रियों, और मुख्यमंत्री जी तक ज्ञापन, आवेदन व संवाद के माध्यम से समस्याएं रखी जा चुकी हैं, किंतु आज तक कोई ठोस निराकरण नहीं हुआ।

**संघ के प्रदेश प्रवक्ता बृजेश दुबे मनीष शर्मा**- यदि सरकार शीघ्र हमारी मांगों को नहीं मानती, तो यह आंदोलन उग्र रूप लेगा, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होंगी। इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी में एनएचएम संविदा कर्मियों की समस्याओं के निराकरण और नियमितीकरण का वादा शामिल है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में डॉ. रमन सिंह, अरुण साव, विजय शर्मा, ओपी चौधरी, विजय बघेल और केदार कश्यप जैसे भाजपा के कई वरिष्ठ दिग्गत नेताओं ने एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया था।

16 जुलाई को सभी जिलों में एनएचएम कर्मचारी जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

# बेहतर चिकित्सा के लिए तरसते मरीज

**जिला चिकित्सालय में 616 पदों में से 575 पद खाली**

**महासमुन्द (समय दर्शन)।** आकांक्षी जिला महासमुंद में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खोला गया मेडिकल कालेज अनेक सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है।

यहाँ आई सी यू , इंफ्रास्टैक्चर , उपकरण की कमी एवं सैंकड़ो स्टाप की कमी के कारण यह जिला चिकित्सालय रिफर सेंटर बना हुआ है।

**शासन प्रशासन की कमजोरी का नतीजा**- सामाजिक कार्यकर्ता जहां मेडिकल कालेज के इस हालात के लिए शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि को दोषी मानते हुवे उन पर निष्क्रिय होने का आरोप लगा रहे है, वही अस्पताल के संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक इसे शासन स्तर का मामला बताते हुए रिक्त पदो की सूची शासन को भेज दिया जाने की बात कर मामले से पल्ला झाड़ रहे हैं ।

**स्टाफ व सुविधा की कमी से जूझता चिकित्सालय :** शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के लिए जिला अस्पताल का अधिग्रहण 7 मई 2021 में किया गया था। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय महासमुंद 380 बेड का अस्पताल है, पर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, उपकरणों की कमी, आई सी यू का न होने एवं स्टाफकी कमी के कारण लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नही दे पा रहा है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध अस्पताल महज एक रिफर सेंटर बनकर रह गया । शासन ने अस्पताल अधीक्षक, सहायक अस्पताल अधीक्षक, केजुअल्टी मेडिकल आफिसर, डायटिशियन,

बायोकेमिस्ट, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय, लैब अटेंडेट, अटेंडेंट, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्निशियन आदि सहित कुल 616 पद स्वीकृत किये है। जिसमें से 41 पदों पर ही नियुक्ति हुई है और 575 पद वर्षों से खाली पड़े है ।

**रेफर सेंटर बनकर रह गया है :** यहाँ की हालत को देखकर लोग शासन प्रशासन पर तरह तरह के ताने कस रहे है। जिसके चलते मरीजो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नही मिल पा रहा है। मरीजों को यहां से रायपुर मेकाहारा रिफर कर दिया जाता है । सामाजिक कार्यकर्ता पंकज साहू इसके लिए शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि को दोषी मान रहे है ।

**मौजूदा सुविधा मे बेहतर इलाज का प्रयास**- इस पूरे मामले पर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय के संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. बसंत महेश्वरी ने बताया कि कोई भी अस्पताल उपकरण, मानव संसाधन और इंफ्रास्ट्रक्चर के कमी के कारण ही मरीजों को रिफर करता है। वैसे मेडिकल अस्पताल के रिक्त पदो की सूची शासन को भेजा जा चुका है और मौजूदा सुविधा में लोगो को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गौरतलब है कि महासमुंद मेडिकल कालेज अस्पताल में महासमुंद, बसना, पिथौरा, सरायपाली, बागबाहरा,गरियाबंद बलौदाबाजार जिला सहित उड़ीसा प्रदेश से सटे गांव के सैकड़ो मरीज इलाज के लिए आते हैं ।

ऐसे में उचित ईलाज व स्टाफकी कमी से जूझ रहे इतने बड़े जिला अस्पताल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नही दे पा रहे हैं?

**लचर व्यवस्था का परिणाम है**- यहाँ आये दिन मरीजों को रिफर कर दिया जाता है ।

बहरहाल देखना है कि आम जनता के सरोकार से जुड़े इस ज्वलंत समस्या का समाधान शासन प्रशासन कब तक पूरा करती है, लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा कब तक मिल पाता है। ये शवालों के दायरे मे है।

# बिजली करंट से पड़कीपाली वन कक्ष क्रं.290 में जंगली सुकर का शिकार

**वन्य प्राणी शिकार के मामले मे एक आरोपी गिरफ्तार**

**पिथौरा (समय दर्शन)।** बारनवापारा परियोजना मंडल अंतर्गत वन कक्ष क्रमांक 290 में एक मादा जंगली सुअर के शिकार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना ने स्थानीय वन विकास निगम तथा वन विभाग और ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया है।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दिया।

जिसके बाद वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले मे संज्ञान लिया।

वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और ग्राम पड़कीपाली से एक आरोपी को हिरासत में लिया।

आरोपी के खिलाफवन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया ।

वन विभाग की टीम ने शव का निरीक्षण किया और शिकार की पुष्टि की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सुअर का शिकार संभवत: अवैध तरीके से किया गया है। शव के पास कुछ साक्ष्य भी मिले, जिनके आधार पर पड़कीपाली निवासी एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और शिकार में उपयोग किए गए उपकरणों की तलाश की जा रही है। वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जावेगी ।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जंगली सुअर जैसे वन्यजीवों का शिकार गंभीर आरोप है।

प्रकरण को वन विकास निगम के अधिकारियों को सौंप दिया गया है, जो अब इस मामले की विस्तृत जांच करेंगे। निगम के अधिकारियों ने बताया कि वे इस घटना के पीछे के कारणों और अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों का भी पता साडी की जाएगी । क्षेत्र में अवैध शिकार को रोकने के लिए गश्त और निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

**ग्रामीणों में आक्रोश**- इस घटना ने स्थानीय ग्रामीणों में भी आक्रोश पैदा कर दिया है। कई ग्रामीणों का कहना है कि जंगली सुअर अक्सर खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसके कारण कुछ लोग अवैध शिकार का सहारा लेते हैं। हालांकि, ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि फसलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

आगे की जांच और कार्यवाही वन विकास निगम के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जाएगी। साथ ही, क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है।

# गुरु की महिमा अपरंपार...संत विजय साहेब

**जरवाय(भंसूली)में गुरु पूर्णिमा मनाया गया!**

**रानीतराई (समय दर्शन)।** सर्वोदय मंडल जरवाय के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा पुराना बाजार चौक में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जिसमें कबीर सत्संग संत विजय साहेब (सेंचुआ), साध्वी समता साहेब (नवागांव) की अमृतवाणी एवं विष्णु साहू औरी की गीत संगीत एवं भजन मंडली की प्रस्तुति हुआ।

संत विजय साहेब ने गुरु की महिमा को अपरंपार बतलाते हुए,गुरु गोविंद दोउ खड़े का के लागू पाव,गुरु बलिहारी आपनो गोविंद दियो बताए।

सांसारिक जीवन में सत्संग से मोक्ष की प्राप्ति संभव है ।जिसके लिए हमें ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

सभी अतिथियों ने गुरु महिमा का बखान करते हुए सभी गुरुजन को नमन किए।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग,यशवंत साहू सरपंच,रविशंकर पाटिल उपसरपंच एवं पंचगण,गरीब दास साहू संरक्षक जिला सर्वोदय,बीरेंद्र साहू अध्यक्ष जिला सर्वोदय,भोलाराम साहू,तुलाराम साहू,किशोर साहू अतिथि बतौर शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में उदय साहू, पवन साहू, रिखी पटेल, धनंजय साहू, देवशरण साहू, फिरता साहू,श्यामलाल साहू (छोटे), मिलऊ यादव, ढेलू राम साहू, श्यामलाल साहू(बड़े) ,बिसहत निर्मल, ईश्वर वर्मा,शिवचरण पटेल, बाबूलाल पटेल, रामनारायण पटेल, मन्ना पटेल, रामा साहू, शिवकुमार साहू,नरेंद्र साहू, भीखम पटेल, द्वारिका पाल, लीलाराम यादव, करण साहू, लखन पाल, कुनैत पाल, हिरासिंह साहू, आशीष साहू,कला बाई साहू, हिरौदी ठाकुर, दाऊलाल निर्मल, कुमारी पटेल, मिलापा निर्मल, दुलारी वर्मा सहित स्थानीय सर्वोदय मंडल सत्संग प्रेमीजन उपस्थित थे।

# स्कूलों में एनजीओ का दखल कतई बर्दाश्त नहीं, विनोबा एप्प का शिक्षक संगठन ने किया विरोध

**राजनांदगांव।** छत्तीसगढ़ प्रदेश जागरूक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार साहू, तुलसीराम पटेल, वीरेंद्र साहू, प्रदेश सचिव राजेन्द्र लाडेकर, प्रदेश महासचिव भोजराम साहू, गायत्री मंडलोई, महेश्वर कोटपरिहा, प्रदेश संयुक्त सचिव हरिशंकर पटेल, कमलेश कुमार भारती, प्रदेश प्रवक्ता, नरेन्द्र तिवारी, केशव पटेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित कुमार पटेल, अमर दास बंजारे, रामसेवक पैकरा, राजेन्द्र कुमार साहू, जगदीश साहू, दिनेश कुमार लहरे, देवेंद्र वर्मा, प्रमोद कुंभकार, दिनेश निर्मलकर, संतोष जैन, मनोज यादव, अभिषेक तिवारी, सुषमा प्रजापति, नारद सहारे, मुकेश दिवाकर, शंभूराम साहू, चंद्रशेखर सारथी, रेखा पुजारी, अरविंद पांडे, देवीदयाल साहू, फूलदेव गुप्ता, हीरालाल विश्वकर्मा, ज्वाला बंजारे, महेश शर्मा, बिमला लकड़ा, मंजू शर्मा, तुलसा मंडावी, नंदकुमार पटेल, रूलिका लकड़ा, नूरजहां खान, रूपेन्द्र कुमार साहू, कोमल सिंह गुरू, तिलक खांडे, कुलदीप सिन्हा, कौशल्या कोले, शशिमा कुर्रे, विनोद सिंह राजपूत, मनीषा मिंज, कजला महिलांगे, कुलेश्वरी साहू, कैलाशचंद्र ठाकुर आदि ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक एनजीओ द्वारा विनोबा एप्प नाम से एप्प शिक्षकों के मोबाइल में डाउनलोड करवाया जा रहा है।

इसके लिए सभी शिक्षकों पर जबरदस्ती दबाव डाला जा रहा है। विनोबा एप्प के नाम से शिक्षकों को रोज व्हाट्सएप के माध्यम से संदेश भेज कर मानसिक रूप से परेशान व प्रताड़ित किया जा रहा है। उक्त एप्प को डाउनलोड करने, इसी के माध्यम से अटेंडेंस भरने एवं शैक्षणिक गतिविधियों को इसमें अपलोड करने के लिए संकुल समन्वयकों एवं संकुल प्राचार्य, बीईओ, डीईओ एवं कलेक्टर के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश शिक्षक संगठन ने विनोबा का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि इस प्रकार का एनजीओ का स्कूल में दखलअंदाजी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिक्षकों एवं स्कूलों को एनजीओ से मुक्त रखा जाना चाहिए, जिससे शिक्षक स्वतंत्र होकर स्कूलों में बेरोकटोक स्वतंत्रता पूर्वक अध्ययन अध्यापन का कार्य करा सके।

शिक्षक संगठन ने कहा है कि एनजीओ के माध्यम से शासन-प्रशासन द्वारा आए दिन मोबाइल से संबंधित कार्य दिए जा रहे हैं, जिससे कि शिक्षक पढ़ाई-लिखाई छोड़ विनोबा एप्प में अपनी अटेंडेंस भरना, पढ़ाई-लिखाई की जानकारी अपलोड करना आदि इससे पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मोबाइल में रोज-रोज सारे डाक मंगाए जा रहे हैं। मोबाइल में ही प्रशिक्षण लिया जा रहा है। मोबाइल में ही बहुत सारा कार्य दिया जा रहा है। जिसके कारण शिक्षक मानसिक रूप से परेशान व प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं।

# श्रेष्ठ इंसान बनकर देश सेवा मे योगदान दें

**सरस्वती शिशु मंदिर बसना में शिशु भारती, बाल भारती, किशोर भारती एवं कन्या भारती का गठन**

**बसना (समय दर्शन)।** नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निष्ठा पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए पूर्व छात्र डॉक्टर केशव साहू के द्वारा शपथ दिलवाया गया । उन्होंने कहा कि विद्यालय एक छोटा सा मंच है, भविष्य को दिशा देने के लिए। आज का बच्चा कल का भावी नागरिक होगा। आज हम छोटे से दायित्व का निर्वहन करेंगे तो भविष्य में देश की बागडोर संभालने में कठिनाइयों का सामना करना नहीं पड़ेगा । जीवन में अनुशासन और संस्कार का विशेष महत्व होता है । मै अपने आप को गौरवान्वित महसूस करता हूं कि मुझे इस भारतीय संस्कृति पर आधारित विद्यालय में अध्ययन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । आज शासकीय प्रसूति चिकित्सक के रूप में जनता की सेवा कर रहा हूं । प्रेरणा के रूप में आपको यही मार्गदर्शन देना चाहूंगा कि एक श्रेष्ठ इंसान बनकर देश की सेवा में अपना अहम योगदान दें, क्योंकि देश की सेवा एवं जन सेवा ही जनार्दन की सेवा होती है ।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी शिशु भारती अध्यक्ष बहिन डालिमा दास पंचम, उपाध्यक्ष भैया जय शर्मा पंचम, सेनापति भैया विनायक चौहान चतुर्थ, उपसेनापति भैया नितेश पटेल पंचम, अनुशासन प्रमुख भैया त्रिवेंद्र साव पंचम, बहिन खुशबू साव पंचम, चिकित्सा प्रमुख भैया जयश डडसेना पंचम, बहिन अंकिता साहू पंचम, सांस्कृतिक प्रमुख बहिन पायल साहू पंचम, गीत और प्रार्थना प्रमुख बहिन नोया दास पंचम, स्वच्छता प्रमुख बहिन खुशी बेहरा पंचम, भैया यश राज चतुर्थ, बागवानी प्रमुख भैया उमंग सेठ चतुर्थ, बहिन कंचन रात्रे पंचम, खोया पाया प्रमुख भैया देवेश नायक पंचम, बहिन आरुषि साहू पंचम, क्रीडा प्रमुख भैया प्रमोद मेहर पंचम, बाल भारती अध्यक्ष बहिन खुशी साव अष्टम, उपाध्यक्ष भैया आदित्य प्रधान सप्तम, सेनापति भैया ओजस बघेल अष्टम, बहिन सौम्या साव अष्टम, उपसेनापति भैया दुर्गेश राज कुर्रे अष्टम, बहिन कंचन खम्हारी सप्तम, अनुशासन प्रमुख भैया ज्ञानेश प्रधान अष्टम, रश्मि प्रधान अष्टम, सौम्या साव सप्तम, चिकित्सा प्रमुख भैया रोहन वैष्णव अष्टम, भैया भूपेश प्रधान षष्ठ, बहिन प्रीति कोसरिया सप्तम, बहिन पूर्वी प्रधान षष्ठ, सांस्कृतिक प्रमुख भैया नैवेद्य साहू षष्ठ, भैया केशव शर्मा सप्तम, बहिन मधु बेहरा षष्ठ, बहिन खुशबू प्रधान सप्तम, क्रीडा प्रमुख भैया गीतेश साव सप्तम, भैया लखेश स्वाई सप्तम, बहिन काजल नायक सप्तम, बहिन खुशबू साहू अष्टम, बागवानी प्रमुख भैया पवन राणा सप्तम, भैया लखन साहू सप्तम, बहिन पूर्वी पटेल षष्ठ, बहिन रिया डडसेना अष्टम, खोया पाया प्रमुख भैया निखिल चौहान अष्टम, भैया विनीत प्रधान अष्टम, बहिन योगिता साव अष्टम, वर्षा साव अष्टम, जल प्रमुख भैया अतुल्य महाणा अष्टम, बहिन सेजल नायक सप्तम, भैया सौरभ साव षष्ठ, बहिन रानी नायक षष्ठ, पुस्तकालय प्रमुख बहिन पूर्वी साव अष्टम, भैया विनय कोसरिया अष्टम, बहिन पदमा पटेल अष्टम, भैया कल्पेश साव षष्ठ, गीत प्रार्थना प्रमुख भैया नमन प्रधान अष्टम, बहिन श्रुति प्रधान षष्ठ, भैया लक्ष्य दास अष्टम, बहिन उत्प्रेक्षा साहू षष्ठ, भैया ध्रुव नामदेव षष्ठ, बहिन अदिति विशाल सप्तम, भैया अनुराग पंडा षष्ठ, बहिन चांदनी साव सप्तम, स्वच्छता प्रमुख बहिन तमन्ना पांडे अष्टम, भैया हुमेश साव सप्तम, बहिन आरुषि दास अष्टम, भैया कृष्णा साहू षष्ठ, बहिन वीणा देवांगन सप्तम, किशोर भारती अध्यक्ष भैया अनुराग बंजारा द्वादश, उपाध्यक्ष भैया रौनक चौधरी एकादश, सेनापति भैया केशव दुबे एकादश, उप सेनापति भैया साहिल बघेल द्वादश, अनुशासन प्रमुख भैया यश्यकृति साहू द्वादश, चिकित्सा प्रमुख भैया खिलेश साव नवम, भैया वेद प्रकाश नवम, सांस्कृतिक प्रमुख भैया ओंकार पंडा दशम, गीत प्रार्थना प्रमुख भैया त्रिभुवन दास नवम, स्वच्छता / जल प्रमुख भैया आलोक प्रधान द्वादश, भैया ध्रुव पांडे द्वादश, क्रीडा प्रमुख भैया युवराज दशम, भैया गगन भाई दशम, भैया कोमल ठाकुर दशम, बागवानी प्रमुख भैया सुरेश कश्यप द्वादश, खोया पाया प्रमुख भैया सुमित सतपथी, प्रचार प्रसार प्रमुख भैया चन्दन प्रधान एकादश, वाहन प्रमुख लोकेश बाघमारे दशम, भैया उमेश चौहान नवम, कंप्यूटर प्रमुख भैया लोकेश कुमार पटेल द्वादश, भैया प्रबोध गजेन्द्र दशम, विज्ञान प्रमुख भैया रुद्रेश प्रधान द्वादश, गणित प्रमुख भैया केशव साहू द्वादश, भैया सुमित दशम, माइक प्रमुख भैया पियूष निषाद द्वादश, भैया खोमेश निषाद, खेल प्रमुख भैया नरेंद्र सिंह द्वादश, कन्या भारती अध्यक्ष बहिन तेजस्विनी बेहरा द्वादश, उपाध्यक्ष बहिन मुस्कान देवांगन एकादश, सेनापति बहिन दीपांजली प्रधान दशम, उप सेनापति बहिन साधना पटेल नवम, अनुशासन प्रमुख बहिन पलक मिश्रा एकादश, बहिन सीमा साव दशम, बहिन प्रज्ञा पंडा एकादश।

## खबर-खास

### कलेक्टर उइके ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

**श्री रामलला दर्शन अयोध्या के लिए निकले जिले के 94 श्रद्धालु**

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का नि:शुल्क दर्शन कराया जा रहा है। साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है।शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है।इसी क्रम में आज कलेक्टर बी.एस. उइके ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया।जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान कलेक्टर ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है।चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा।यात्रा पश्चात तीर्थ यात्रियों की जिला वापसी होगी।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ जी.आर.मरकाम ,एसडीएम प्रकाश राजपूत,वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर, नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष आसिफ मेमन,सभापति रेणुका साहू,सूरज सिन्हा, खेमसिंग बघेल,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर,आदित्य लाम्बे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि विष्णुदेव साय सरकार ने श्री रामलला दर्शन के सपने को साकार किया है। सरकार की मदद से अयोध्या जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।अयोध्या में श्री रामलला स्थापना पश्चात वहा जाने की बहुत इच्छा थी। शासन ने वहा जाने में मदद की।श्रद्धालुओं की अयोध्या जाने की इच्छा पूरी करने वाली इस योजना के लिए जिले के श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। इसी तरह अन्य श्रद्धालु ने बताया कि वह अयोध्या जाने के लिए बेहद खुश है। शासन के सहयोग से श्री रामलला दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। जो कि पूरे प्रदेश वासियों के लिए बड़ी खुशी की बात है।निशुल्क यात्रा के साथ खाने,पीने और रहने की भी व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं पर कोई आर्थिक बोझ भी नही बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने,वहां रहने की व्यवस्था,मंदिर दर्शन,नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेंगे।

# कलेक्टर श्री उइके ने दो पटवारियों को पद से हटाते हुए सेवा से किया पदच्युत

**सेवा शर्तों को पूर्ण नहीं करने एवं कार्यों में लापरवाही पर हुई कार्यवाही**

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** कलेक्टर बी.एस उइके ने नियुक्ति आदेश की सेवा शर्तों को पूर्ण नहीं करने एवं सौपे गए कार्यो में लगातार लापरवाही बरतने एवं कार्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने वाले दो पटवारियों पर बड़ी कार्यवाही की है। कलेक्टर ने देवभोग तहसील अंतर्गत पदस्थ पटवारी ऐशेश्वर सिंह कोमर्रा एवं योगेन्द्र ठाकुर को पटवारी पद से हटाते हुए सेवा से पदच्युत किया है।पटवारी ऐशेश्वर सिंह द्वारा नियुक्ति आदेश की सेवा शर्त अनुसार निर्धारित सेवा अवधि में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं किया गया।साथ ही मार्च 2017 से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहा। तत्सबंध में उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा उनके विरूद्ध विभागीय जांच संस्थीत की गई। विभागीय जांच में विभागीय जांच में जांचकर्ता अधिकारी के द्वारा नियुक्ति आदेश की सेवा शर्तों को पूर्ण नहीं करना एवं सौपे गए कार्यों में लगातार लापरवाही बरतना व कार्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहना पाया गया।उक्त रिपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराई गई किंतु आज पर्यंत तक उनके द्वारा किसी भी प्रकार का अभ्यावेदन या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया गया।साथ ही कारण बताओ नोटिस का भी जवाब नहीं दिया गया।उक्त कृत्य शासकीय सेवा के प्रति निष्ठा न होना एवं गंभीर कदाचार को प्रदर्शित करता है।इस कारण उक्त पटवारी पर कलेक्टर द्वारा छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली,छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम एवं राज्य शासन के उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करते हुए पटवारी ऐशेश्वर सिंह कोमर्रा को पद से सेवामुक्त कर दिया गया है।इसी प्रकार देवभोग तहसील के अंतर्गत ही पटवारी पद पर पदस्थ योगेन्द्र ठाकुर ने भी निर्धारित समयावधि में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की।साथ ही नियुक्ति आदेश की सेवा शर्त को पूर्ण नहीं किया गया। उनके द्वारा नियुक्ति तिथि से चार वर्ष पूर्ण होने के पश्चात भी चरित्र प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया।इसके अलावा कार्यालय तहसीलदार द्वारा शासकीय कार्यों के लिए सौपे गए दायित्व रबी फसल प्रविष्टि, आधार सीडिंग,डीजिटल हस्ताक्षर सहित न्यायालयीन प्रकरणों को समय पर प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने,नामांतरण प्रतिवेदन भुंईया साफ्टवेयर में अपलोड नहीं करने,कार्यालय द्वारा समय-समय पर सौपे गये कार्य संपादित नहीं करने एवं उच्चाधिकारी के आदेशों की अवहेलना करते हुए लगातार अनाधिकृत रूप से कार्यालय में अनुपस्थित पाये गए।इसके अलावा समय-समय पर जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब भी संबंधित के द्वारा नहीं दिया गया।उनके विरूद्ध संस्थीत विभागीय जांच में जांचकर्ता अधिकारी के द्वारा नियुक्ति आदेश की सेवा शर्तों को पूर्ण नहीं करने एवं कार्यों में लापरवाही बरतने तथा अनाधिकृत रूप से रहना पाया गया। अपचारी कर्मचारी योगेन्द्र ठाकुर को अपना पक्ष रखने का अवसर भी प्रदान किया गया।किंतु उनके द्वारा अभ्यावेदन या अपना पक्ष समर्थन हेतु किसी भी प्रकार का दस्तावेज सक्षम कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराया गया।उक्त कृत्य शासकीय सेवा के प्रति निष्ठा न होना एवं गंभीर कदाचार को प्रदर्शित करता है। इस कारण कलेक्टर द्वारा पटवारी योगेन्द्र ठाकुर पर छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली,छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम एवं राज्य शासन के उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करते हुए पटवारी योगेन्द्र ठाकुर को पद से सेवामुक्त कर दिया गया है।

# नहीं मिल रहा है सोसायटियों में खाद, बुआई का समय निकल रहा है, किसान परेशान

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** सहकारी समितियों में खाद की किल्लत को सरकार का किसान विरोधी षड्यंत्र करार देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज खान ने कहा है कि खरीफ की बुवाई का समय तेजी से बीत रहा है, लेकिन किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है किसान परेशान है।सरकार के द्वारा किसानों को पहले एनपीके का विकल्प देने की बात कही गई और अब नैनो डीएपी का झांसा दे रहे हैं।असलियत यह है कि सरकार नहीं चाहती कि किसान भरपूर उत्पादन ले सके,ताकि समर्थन मूल्य पर कम धान खरीदी करना पड़े,यही वजह है कि खरीफ फसल की बोनी के ऐन वक्त पर खाद का कृत्रिम संकट उत्पन्न किया जा रहा है।जब किसानों के तरफ से डिमांड अप्रैल माह तक लिखाया जा चुका था, फिर सही समय में पर्याप्त मात्रा में खाद के रेक और सहकारी सोसाइटियों तक भंडारण की

समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हफीज खान ने कहा है कि सत्ता के संरक्षण में डीएपी खाद की कालाबाजारी की जा रही है,निजी दुकानों में 2000 रू. प्रति बोरी तक किसानों से वसूला जा रहा है। जमा खोरो और कालाबाजारी करने वालों को सत्ता का संरक्षण है,जिसके चलते कृषि विभाग के अधिकारी जमाखोरों पर कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।सरकार की दुर्भावना के चलते किसानों का आक्रोश चरम पर है।पूरे प्रदेश में किसानों का प्रदर्शन हो रहे हैं,लेकिन खाद की आपूर्ति करने के बजाय भाजपा के नेता मंत्री केवल सोशल मीडिया पर रिलबाजी में मस्त हैं।आगे हफीज खान ने कहा है की सबसे बुरी स्थिति गरियाबंद जिले में है जहां किसानों को केवल आश्वासन मिल रहा है। सरकार की बदइंतजामी के चलते प्रदेश के किसान जमाखोरों के शोषण का शिकार हो रहे हैं। पिछले खरीफ सीजन में भी सरकारी दुकानों में एक्सपायर नैनो यूरिया बेचने का मामला सामने आया था,इस बार भी नकली खाद,मिलावटी खाद और गुणवत्ता हीन उर्वरक पूरे प्रदेश में बिक रहा है। डबल इंजन की सरकार का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार,केंद्र की मोदी सरकार से छत्तीसगढ़ के हक़,अधिकार और डिमांड के मुताबिक डीएपी खाद तक किसानों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है।

# ई-ऑफिस प्रणाली पर जिले के अधिकारी-कर्मचारी राज्य स्तरीय ऑनलाईन प्रशिक्षण में हुए शामिल

**सभी जिला कार्यालयों में शीघ्र ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी**

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए आज राज्य स्तरीय ऑनलाईन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिले के अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारीगण संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल हुए।प्रशिक्षण में कलेक्टर बी.एस.उइके भी शामिल होकर अधिकारी-कर्मचारी को गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण की बारीकियों को सिखने के निर्देश दिये। साथ ही ई-ऑफिस के अंतर्गत संपादित किये जाने वाले कार्यों के विभिन्न चरणों को भी सीखने के लिए कहा। प्रशिक्षण में समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को ई-ऑफिस संचालन को सरकारी कार्यालयों के दस्तावेजों को पेपरलैस करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।इस प्रशिक्षण शिविर में जिला के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला एवं ई-जिला प्रबंधक मिथलेश देवांगन सहित समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर बी.एस.उइके ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिला कार्यालयों में आगामी समय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यालयों के अधिकारियों कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसे अधिकारी-कर्मचारी गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें।प्रशिक्षण में एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला एवं ई-जिला प्रबंधक मिथलेश देवांगन ने अधिकारियों कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय एवं उपयोग,दस्तावेज़ तैयार करना,अनुमोदन प्रक्रिया,रिपोर्टिंग एवं फाइल ट्रैकिंग,सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग का प्रोसेस सिखाया गया,ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। इसका उद्देश्य ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग एवं प्रसंस्करण, कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता, समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार, कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है।

# पीबीपार्टनर्स ने रायपुर में अपनी सिग्नेचर 'पाठशाला ईवेंट' का आयोजन किया; एजेंट पार्टनर्स को एंड-टू-एंड कस्टमर सेवा प्रदान करने में मिलेगी मदद

**नई दिल्ली।** पॉलिसीबाजार के पीओएसपी खंड, पीबीपार्टनर्स ने अपने फ्लैगशिप अभियान, पीबीपाठशाला के अंतर्गत देश में अपने एजेंट्स को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है।

इसी अभियान के अंतर्गत पीबीपार्टनर्स द्वारा फ्लैगशिप, 'पाठशाला ईवेंट' का आयोजन रायपुर में किया गया, जिसमें एजेंट पार्टनर्स को सुगम व एंड-टू-एंड कस्टमर सेवा प्रदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान व टूल्स प्राप्त हुए। इस ईवेंट ने नॉलेज-शेयरिंग, स्किल-बिल्डिंग और लीडरशिप टीम एवं ऑन-ग्राउंड एजेंट पार्टनर्स के बीच बातचीत का एक मंच प्रदान किया, जिससे बीमा सुरक्षा की कमी को दूर करने के लिए पीबीपार्टनर्स की प्रतिबद्धता को बल मिला।

पीबीपार्टनर्स छत्तीसगढ़ में तेजी से विस्तार कर रहा है। छत्तीसगढ़ में इस समय लगभग 4,700 से अधिक एजेंट पार्टनर हैं। अकेले रायपुर में 1000 से अधिक एजेंट पार्टनर हैं। यहाँ पर एजेंट्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। कार्यक्रम में राहुल महेश मिश्रा, एसोसिएट डायरेक्टर, सेल्स - लाईफ इंश्योरेंस, पीबीपार्टनर्स ने कहा, ''पीबीपार्टनर्स में हम बीमा की जागरुकता और एडॉप्शन बढ़ाने के लिए रायपुर जैसे शहरों की बढ़ती क्षमता को पहचानते हैं। इस क्षेत्र में हमारे एजेंट पार्टनर्स असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन कर रहे हैं। हम उन्हें प्रशिक्षण और अपस्किलिंग द्वारा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्हें सही टूल्स और ज्ञान प्रदान करके हम बीमा में सुरक्षा की कमी को दूर करना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रायपुर में हर ग्राहक को भरोसेमंद और व्यक्तिगत बीमा समाधान मिल सकें।'' अप्रैल 2022 में लॉन्च होने के बाद पीबीपाठशाला पीबीपार्टनर्स का एक फ्लैगशिप अभियान बन गया है, जो एजेंट्स के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने में मदद करता है। हाल ही में आई तेजी के बाद पीबीपार्टनर्स की इंश्योरेंस बिज़नेस यूनिट (लाईफ बीयू) ने पूरे देश के मुख्य स्थानों पर अनेक पीबीपाठशाला ईवेंट्स का आयोजन किया है। ये सत्र पीओएसपी एजेंट पार्टनर्स को गहरा ज्ञान प्रदान करने, उनकी प्रोडक्ट एक्सपर्टाईज़ बढ़ाने, और ग्राहकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए सर्वश्रेष्ठ अभ्यास साझा करने में मदद करने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं। पीबीपाठशाला सीरीज़ में प्रायोगिक प्रशिक्षण, हाथों-हाथ जानकारी और पीयर लर्निंग का एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया गया। इसने जमीनी स्तर पर व्यवसायिक क्षमता मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे क्षेत्र में ऐसे एजेंट्स तैयार करने की पीबीपार्टनर्स की प्रतिबद्धता को बल मिला, जो आत्मविश्वास के साथ भविष्य पर केंद्रित निर्णय ले सकें।

## Nothing फोन (3) और Nothing हेडफ़ोन (1) की बिक्री अब भारत में

**नई दिल्ली।** लंदन स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी Nothing (नथिंग) ने आज घोषणा की है कि दो प्रमुख उत्पाद आज दोपहर 12 बजे से पूरे भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे - Nothing फ़ोन (3), इसका पहला टू फ़्लैगशिप स्मार्टफ़ोन, और Nothing हेडफ़ोन (1), इसका पहला ओवर-ईयर ऑडियो उत्पाद। दोनों उत्पाद, सुविचारित डिज़ाइन और बोल्ड इनोवेशन के साथ उपभोक्ता तकनीक को नए सिरे से परिभाषित करने के Nothing के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

Nothing फोन (3)- Nothing फ़ोन (3) ऐसे अभूतपूर्व नवाचार प्रस्तुत करता है जो स्मार्टफ़ोन उद्योग में नए मानक स्थापित करते हैं। इस डिवाइस में प्रो-ग्रेड ट्रिपल कैमरा सिस्टम है, जिसमें कम रोशनी वाले शॉट्स के लिए एक श्रेणी-अग्रणी 1/1.3 मुख्य सेंसर, लॉसलेस ऑप्टिकल ज़ूम और पूर्ण ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ सभी लेंसों पर सिनेमैटिक 4K 60fps वीडियो शामिल है। अल्ट्रा-नैरो बेज़ेल्स के साथ एक वाइब्रेंट 6.67" AMOLED डिस्प्ले, और एक शक्तिशाली Snapdragon® 8s Gen 4 चिपसेट, ये सब एक प्रीमियम मॉड्यूलर डिज़ाइन में। रेवोल्यूशनरी ग्लिफ़ मैट्रिक्स उपयोगकर्ताओं को एक नज़र में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और फ़्लिप टू रिकॉर्ड और ग्लिफ़ टॉयज़ जैसे मनोरंजक अनुभवों का आनंद लेने की सुविधा देता है। फ़ोन (3) में एक नया ट्राई-कॉलम लेआउट है जिसमें एक नया डिज़ाइन किया गया क्र-एंगल आकार है जो एर्गोनॉमिक्स को बेहतर बनाता है।

## न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांक :202506104500046

**विषय:-अ-6अ**
**मामले की श्रेणी:- राजस्व**
**सत्र:2024-25**
**सांतरा (प.ह.न.00020)**
**पक्षकारो का विवरण - आवेदक पक्षकार-भिक्षा उर्फदिशा, अनावेदक पक्षकार-**

**//ईश्तहार//**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्राम सांतरा प.ह.न.20 तहसील पाटन,जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका भिक्षा उर्फदिशा पिता रामकृष्ण चंद्राकर निवासी बेमचा तहसील व जिला महासमुंद ने आवेदन प्रस्तुत किया है कि उनके एकल नाम हक, स्वामित्व की ग्राम सांतरा प.ह.न.20 तहसील पाटन,जिला दुर्ग(छ.ग.) खसरा नं 1315 रकबा 0.83 हे0 कृषि भूमि स्थित है तथा भूराजस्व अभिलेख मे भूस्वामी हक में दर्ज है। यह कि आवेदिका के मायका ग्राम सांतरा है विवाह के पूर्व क्रयशुदा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेख में आवेदिका का नाम भिक्षा पिता रामकृष्ण चंद्राकर अभिलेखित है। विवाह के पश्चात आवेदिका के अन्य शासकीय,अर्धशासकीय दस्तावेजो, मतदाता परिचय पत्र , बैंक खाता में दिक्षा चंद्राकर पति अनेश चंद्राकर दर्ज है तथा आवेदिका के पैन कार्ड में दिक्षा चंद्राकर पिता रामकृष्ण चंद्राकर दर्ज है। यह कि आवेदिका के शासकीय अर्धशासकीय दस्तावेजो में अलग-अलग नाम दर्ज है। अत: आवेदिका के नाम, हक, स्वामित्व की एवं राजस्व अभिलेख में दर्ज ग्राम सांतरा प.ह.न.20 तहसील पाटन,जिला दुर्ग(छ.ग.) खसरा नं 1315 रकबा 0.83 हे0 के राजस्व अभिलेख में भिक्षा चंद्रकार के साथ उर्फ दिक्षा चंद्राकर नाम दर्ज करने एवं राजस्व अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई नियत तिथि 25.06.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यमं से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यालायल में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/06/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**पाटन**

## सैमसंग इंडिया ने अब तक की सबसे एडवांस्डस गैलेक्सी Z सीरीज- गैलेक्सी Z फोल्ड 7और गैलेक्सी Z फिलप7 के लिए प्री-ऑर्डर शुरू किए

**नई दिल्ली।** भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज घोषणा की कि उसने अपनी अब तक की सबसे एडवांस्ड2 गैलेक्सी Z सीरीज - गैलेक्सी Z फोल्डे7 और गैलेक्सी Z फ्लिप7 के लिए प्री-ऑर्डर शुरू कर दिए हैं।

गैलेक्सी Z फोल्ड7 में गैलेक्सी डिज़ाइन, कैमरा कार्यक्षमता और एआई नवाचार का सर्वश्रेष्ठ संयोजन किया गया है, जो अब तक की सबसे पतली और हल्की गैलेक्सी Z फोल्ड सीरीज है। यह एक अल्ट्रा-स्मार्टफोन का प्रीमियम प्रदर्शन और अनुभव प्रदान करता है, साथ ही खुलने पर बड़े, अधिक इमर्सिव डिस्प्ले के साथ दक्षता और उत्पादकता के नए स्तर खोलता है।

**अब तक का सबसे पतला और हल्का गैलेक्सी Z फोल्ड-** गैलेक्सी Z फोल्ड7 उन लोगों के लिए बनाया गया है जो एक पारंपरिक स्मार्टफोन की रोज़मर्रा की पोर्टेबिलिटी और सहज अनुभव चाहते हैं, साथ ही बड़े, खुले डिस्प्ले की बढ़ी हुई शक्ति और लचीलापन - सब एक ही डिवाइस में। अपने अल्ट्रा-थिन और हल्के डिज़ाइन और चौड़े कवर डिस्प्ले के साथ, गैलेक्सी Z फोल्ड7 फोल्ड होने पर टाइपिंग और ब्राउज़िंग को आसान बनाता है।

## न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द

**//ईश्तहार//**
**कमांक 1115/क / भू व्यप / अविअ/2025**
**सरायपाली दिनांक 11/07/2025**

आवेदक आशीष पिता बजरंग निवासी ग्राम छुईपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम बटकी में स्थित भूमि खसरा नंबर 734 रकबा 0.0500 हे. भूमि को कृषि मद से भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु बी-1, नक्शा एवं खसरा के बैनामा के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 25/07/2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

**अनुविभागीय अधिकारी (रा.)**
**सरायपाली**

## कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

**संक्षिप्त मैन्युअल जोनल निविदा सूचना क्रमांक-08**
**Email id: ee-res.durg@gov.in**

ज्ञा.कं. 1755 / व.ले.लि. / ग्रा.यां.से./2025-26 — दुर्ग, दिनांक 11/07/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | (जोनल निविदा ग्रुप क. 04:- ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 25.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। | 20.00 लाख प्रति ग्रुप |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://res.cg.gov.in में दिनांक 11.07.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 25.07.2025 तक है।

**कार्यपालन अभियंता**
**ग्रामीण यांत्रिकी सेवा**
**संभाग दुर्ग (छ.ग.)**

**जी- 252602148/1**

# आत्मानंद विद्यालय भूकेल में छात्र संघ का गठन

**बसना ( समय दर्शन )।** बसना विकासखण्ड के स्वामी आत्मानंद विद्यालय भूकेल में बीते दिन छात्र संघ का गठन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यालय के पूर्व एसएमसी अध्यक्ष रियाज मोहम्मद , प्राचार्य सी .एस. पटेल, वरिष्ठ व्याख्याता डी के मरावी, एन पी नायक के नेतृत्व में बाल कैबिनेट का गठन किया गया।

जिसमें शाला नायक जागेश्वर पटेल, शाला नायिका संगीता,सलोनी, उपनायक आदित्य भाई, फरहान हुसैन उपशाला नायिका ज्योति सिदार , क्रीड़ा नायक

हेमनाथ, सह प्रभारी पूनम , स्काउट प्रभारी आदित्य , देविका राय, रेड क्रॉस प्रभारी सुमित पटेल ,अस्मिता प्रधान,विज्ञान प्रभारी अमन साहू ,पुष्पेंद्र ,अंशु साहू ,रितेश ,रिया बारिक, ज्योत्सना, तिलका, कुसुम, सांस्कृतिक प्रभारी सुमन साहू ,योग प्रभारी सुष्मिता एवं अस्मिता प्रधान इको क्लब आशुतोष , दीपिका एवं रागिनी अनुशासन प्रभारी ज्योत्सना एवं दीनानाथ, स्वच्छता प्रभारी भुवनेश्वरी एवं सुमित पटेल चुने गये। कार्यक्रम में रियाज मोहम्मद ने बहुत ही सुंदर मोटिवेशनल कहानी कहा सभी बच्चों को प्रेरित किया । श्री मरावी ने पद एवं गोपनीयता तथा कर्तव्यों की जानकारी प्रदान की ।

एस डी वर्ग के द्वारा विद्यालय की नियमित उपस्थिति एवं कक्षा में ध्यान के बारे में बताया गया। इस दौरान विद्यालय के व्याख्याता श्रीमती पी देवांगन ,आर ठाकुर ,आर डी भोई,एस के देवांगन,आर के पटेल, आर डी पटेल, डी डी पटेल, आशीष साहू ,भगवती साहू, रेखराम पटेल, के जगत और एन राणा, पंचानन बारीक उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्याख्याता सुरेश कुमार साहू के द्वारा किया गया।

## संक्षिप्त-खबर

### गाड़ाडीह समिति का शेड हिलने लगा, कभी भी हवा में उखड़ सकता है शेड, बड़ी दुर्घटना की आशंका

**पाटन ( समय दर्शन )।** सेवा सहकारी समिति गाढ़ाडीह में धान को पानी से बचाने के लिए लगाया गया शेड खुद ही जर्जर हो आ गया है। यह शेड का निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है । यही कारण है कि 2 साल में ही यह शेड हवा में उड़ सकती है। नीचे का नट बोल्ट भी निकल गया है। साथ ही साथ जो कालम बनाने के लिए मटेरियल इस्तेमाल किया गया वह भी काफी घटिया क्वालिटी का इस्तेमाल किया गया है । शेड बनाने में में लापरवाही बरती गई है। किसानों का कहना है कि उन्हें सुविधाएं देने के लिए शासन ने शेड निर्माण के लिए राशि स्वीकृत किया था लेकिन जिन्होंने भी निर्माण कराया है वह कार्य के गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया। यही कारण है कि अब यह शेड थोड़ी सी भी हवा में इधर-उधर हिलने लगती है।

### भंसुली में किया गया निर्माण कार्य का भूमिपूजन

**पाटन ( समय दर्शन )।** भूमि पूजन समारोह का आयोजन ग्राम भनसुली (के) मे किया गया । सी.सी. रोड निर्माण भूमि पूजन का कार्यक्रम रखा गया है- जिस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल जी (सांसद लोकसभा दुर्ग)अध्यक्षता-मान. श्रीमती किर्ति नायक जी (अध्यक्ष ज.प. पाटन),विषेश अतिथि मान. श्री कमलेश वर्मा जी (उपाध्यक्ष ज.प. पाटन), मान. श्री ज्योति प्रकाश साहू जी (अध्यक्ष भाजपा मंडल दरबार मोखली),मान. श्री निज़ारानी बाज़ार जी (उपाध्यक्ष भाजपा मंडल दरबार मोखली)मान. श्री तुकेश निर्मल जी (अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति डगनिया) मान. श्री नेतराम साहू जी (अध्यक्ष शाला विकास समिति हाई स्कुल भनसुली) श्री गैंदालाल डहरिया जी पुर्व जनपद सदस्य के कर कमलो से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम भनसुली पंचगण-श्री चन्द्रकांत साहू, श्रीमती सोहद्रा साहू, श्रीमती सरोज साहू, श्रीमती हेमलता सोनवानी, श्रीमती किरण ठाकुर, श्रीमती सुशीला साहू, श्री हेमंत साहू, श्री बिसहत निर्मल, श्री तुषार साहू, श्रीमती रूपा साहू, श्रीमती तुलेश्वरी साहू, श्रीमती विसाखा साहू, श्रीमती सरस्वती देशलहरे, श्री गोपाल साहू, श्रीमती सविता साहू, श्री तुलेश्वर निर्मल, श्री डिगेश्वरी साहू, श्री गजेन्द्र साहू, श्री हेमलाल साहू श्रीमती भगवती मुकेश साहु श्री पद्मभूषण साहू सहित ग्राम पंचायत भनसुली के ग्रामीण जन उपस्थित थे।

### भाजपा समर्थित सरपंचों ने चुना अपना अध्यक्ष, कांग्रेस समर्थित सरपंचों ने पहले ही चुन लिया है अध्यक्ष, पाटन ब्लॉक में सरपंच संघ का दो संगठन , दो अध्यक्ष बने

**बलराम यादव/ पाटन।** पिछले दो कार्यकाल से जनपद पंचायत पाटन के तहत शामिल ग्राम पंचायतों के निर्वाचित सरपंचों ने अपना अपना अध्यक्ष चुनने का कार्य कर रहे है। दो सरपंच संघ का गठन होने लगा है। जानकारी के मुताबिक भाजपा समर्थित सरपंच संघ और कांग्रेस समर्थित सरपंच संघ का अलग अलग अध्यक्ष चुना जा रहा है। आज विश्राम गृह पाटन में भाजपा समर्थित सरपंचों की बैठक रखी गई जिसमें सर्व सम्मति से ग्राम धौराभाठा के सरपंच विनय चंद्राकर को सरपंच संघ का अध्यक्ष चुना गया। वही पिछले माह कांग्रेस समर्थित सरपंचों का बैठक रेस्ट हाउस में रखी है। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहे। कांग्रेस समर्थित सरपंचों ने सरपंच संघ गठन किया जिसका अध्यक्ष के रूप में ग्राम जामगांव आर के सरपंच रूपेंद्र शुक्ला चुने गए। बता दे कि सरपंची के पिछले दो कार्यकाल में भी इसी तरह से सरपंच संघ का दो अध्यक्ष बनते आ रहे है। जिसे लेकर अब चर्चा में है। जो सरपंच भाजपा और कांग्रेस समर्थित नहीं है वे अब दुविधा में है कि किस संगठन के साथ जुड़कर कार्य करे। फिरहाल सरपंच संघ का अध्यक्ष तो बन जाता है लेकिन सरपंचों के हितों के लिए लड़ाई लड़ने वाला संगठन की दरकार अभी भी पाटन ब्लॉक में है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, नारद साहू,मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, कमलेश चंद्राकर, कमलेश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, सांसद प्रतिनिधि राजा, लालेश्वर साहू, जिला पंचायत सदस्य सभापति नीलम चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय बघेल, रवि सिंगौर, विनय चंद्राकर, निर्मल जैन, चंद्रिका साहू, रौशनी राय, लक्ष्मी नीलू वर्मा, रौशन वर्मा, अनूप चंद्राकर बाबा वर्मा सहित अन्य मौजूद रहें।

# महासमुंद अछोला उपार्जन केंद्र मे लाखो का फर्जीवड़ा..

**महासमुंद ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ सरकार को लाखो का चूना लगाने मे कोई कसर नही छोड़ा जोबा समिती के उपार्जन केन्द्र आछोला ने फर्जीवाड़ा कर सैकड़ों क्विंटल तक चला गया।लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगा जबकि महासमुंद जिले मे कई उपार्जन केन्द्रों में फर्जी पंजीयन को लेकर प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही की है।लेकिन उसके बाद भी आछोला उपार्जन केन्द्र में हुए हजारों क्विंटल का फर्जी पंजीयन में लाखो का घोटाला हुआ और फर्जी पंजीयन से लगभग 4 लाख रूपये गटक गए अपको बता दे महासमुंद जिले के आछोला उपार्जन केन्द्र मे 23- 24 में श्री रुद्याज्ञा मंदिर सिरपुर , सखरकार, लोमशहत पि. चंद्राकर , रामाधर अग्रवाल मानिकराम वर्मा. रामलाल जैसे दर्जनों किसान के नाम पर दो तरह से फर्जी पंजीयन को अंजाम दिया गया।एक फर्जी रकबा तो दूसरा नियम के विरुद्ध पंजीयन जहा लगभग दर्जनों ऐसी किसान का पंजीयन किया गया।जिसमें

किसान की हकदार भूमि महज 2 एकड़, 3 एकड़,5 एकड़, लेकिन पंजीयन किया गया 2 एकड़ किसान वाले पंजीयन में 10 से 15 एकड़ तक बनाया गया।और वही दूसरे तरह से भी खूब शासन को गुमराह कर मोटी रकम कमा लिया गया जहां ट्रस्ट तक की भूमि को नियम के विरुद्ध फर्जी पंजीयन कर लाखो की हेरा फेरी किया गया।बहुत ही आसानी से दर्जनों फर्जी पंजीयन करा कर जोबा समिती में धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया।जिसमे लगभग रकबा हे. 8.5500 मे धान बेचा गया।और सरकार को लाखो रूपये का चूना लगाया गया पंजीयन की क्या है।प्रक्रिया

पंजीयन दो स्थानों में होता है एक समिती माड्यूल खुद प्रबंधक ऑपरेटर करता है।तो दूसरा तहसील माड्यूल से किया जाता है। जो सीधे तहसीलदार आई डी तहसील कर्मचारी द्वारा कराया जाता है।अब सबसे बडा सवाल की आखिर फर्जी पंजीयन कहा से अंजाम दिया गया।समिती या तहसील? ये सबसे बडा सवाल है। और जांच का विषय है।जहा सूक्ष्म जांच कर बडा फर्जीवाड़ा का पर्दाफाश किया जा सकता है।

**फर्जी पंजीयन के बाद कैसे हुई फर्जी पंजीयन में धान खरीदी**- पहली प्रक्रिया पंजीयन का रहा जहा फर्जी पंजीयन को आखिर किसने अंजाम दिया गया। ये तो जांच के बाद खुलासा होगा। लेकिन वही प्रदेश की सरकार ने शख्त निर्देश दिया था। की फर्जी पंजीयन, बोगस धान की खरीदी बिक्री में अंकुश लगाने है।उसके लिए बकायदा जिला प्रशासन ने भी समिती प्रबंधक को साफनिर्देश दिया गया था।की धान खरीदी करते वक्त एक एक पंजीयन की जांच करने है।दूसरी प्रक्रिया हर वर्ष कैरी फॉरवर्ड करने होते है।उसमे अगर कहीं फर्जीवाड़ा मिलता है। तो उसे काटने का निर्देश था।लेकिन नहीं काटा गया।उसके बाद धान खरीदना है। अगर कहीं से फर्जी पंजीयन हुआ होगा तो जांच कर काटने और उस पंजीयन मे फर्जी रकबा की कटौती कर खरीदी करने का निर्देश दिया है।अब ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है। की फर्जी पंजीयन के बाद भी बेहिचक धान खरीदा किया गया।और खरीदी फर्जीवाड़ा को समिती ने अंजाम दिया अब देखना होगा की ऐसे हजारों क्विंटल फर्जीवाड़ा को जिला प्रशासन कैसे अंकुश लगता है।खबर प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन क्या कार्यवाही करती है।

# बसना विधायक के प्रयास से महाविद्यालय में इस सत्र से स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ

**बसना ( समय दर्शन )।** स्व. जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में इस सत्र 2025 -26 से हिंदी साहित्य और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की कक्षाओं में विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस के साव ने बताया कि, बसना महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ करने के लिए बसना विधायक माननीय संपत अग्रवाल के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है।

शासकीय महाविद्यालय बसना की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी तब से लेकर आज पर्यंत तक केवल स्नातक की कक्षाएं ही संचालित की जा रही थी, परंतु बसना विधायक के सराहनीय प्रयासों से इस सत्र से स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित होंगी।

इससे पूर्व बसना महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित ना होने की वजह से इस अंचल के छात्र- छात्राएं सरायपाली, पिथौरा ,महासमुंद या अन्यत्र अध्ययन करने के लिए विवश थे। जिससे उनको विभिन्न प्रकार की परेशानियों से जूझना पड़ता था । विशेषकर कई बालिकाओं को स्नातकोत्तर की पढ़ाई से वंचित रह जाना पड़ता था । कई छात्र-छात्राएं उचित सुविधा मिलने के अभाव मे बी.ए. के बाद पढ़ाई छोड़कर घर बैठ जाते थे।

जिससे उनके उच्च शिक्षा हासिल करने के सपने धराशायी हो जाते थे। कॉलेज में स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) की कक्षाएं, उच्च शिक्षा का एक स्तर है जो स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद की जाती है।

हिंदी साहित्य और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ होने के कारण इस अंचल के सभी छात्र-छात्राओं में हर्ष व्याप्त है।

# राजा नटवरलाल उर्फ दिवाकर औसरिया की पत्नी श्वेता औसरिया भी गिरफ्तार

- बंटी और बबली की थी जोड़ी, -अब तक शासकीय शिक्षक आरोपी रामनारायण साहू सहित 12 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार
- रायपुर निवासी राजा नटवरलाल अपनी पत्नी श्वेता और बच्ची के साथ दुर्ग के पोटिया में किराए का मकान लेकर छिपकर रह रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है

**रायपुर/बलौदाबाजार( समय दर्शन )।** शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर 02 वर्ष में रकम का दुगना कर वापस करने का झांसा देते हुए आरोपी रामनारायण साहू एवं अन्य द्वारा विभिन्न लोगों से करोड़ रूपयों की धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया गया है, जिस पर थाना कसडोल में आरोपियों के विरुद्ध अब तक 04 अपराधिक प्रकरण दर्ज किया* गया है।

आरोपियों द्वारा कसडोल, लवन, गिधौरी, शिवरीनारायण, महासमुंद, रायगढ़ आदि के भी कई लोगो के साथ भी शेयर ट्रेडिंग में पैसे लगाकर कम समय मे पैसा दुगुना करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने के संबंध में जानकारी मिल रही है, जिसके संबंध में जांच तस्दीक कार्यवाही की जा रही है।

प्रकरणों में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा गहन जांच तस्दीक एवं विवेचना करते हुए ठगी करने वाले सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित करते हुए प्रकरण में संपूर्ण जांच, पीड़ितों से आवेदन लेने, आरोपियों की पता तलाश करने, संबंधित आरोपियों की संपत्ति जप्ती/कुर्की की कार्यवाही करने एवं उच्चतम विवेचना हेतु एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया है। प्रकरण में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी राजा नटवरलाल उर्फ दिवाकर अवसरिया को हिरासत में लिया गया। आरोपी दिवाकर से विस्तृत पूछताछ किया गया, जिसमें आरोपी द्वारा पूर्व में गिरफ्तार आरोपी रामनारायण साहू एवं अन्य के साथ मिलकर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर कई लोगों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करना स्वीकार किया गया।प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपी से 04 मोबाइल, विभिन्न बैंक का 05 पासबुक, चेक, एटीएम, पैसा लेनदेन का रजिस्टर, जमीन खरीदी-बिक्री संबंधी पेपर, अन्य कागजात, सोने चांदी के जेवर आदि एवं नगदी रकम ?9,71,000 बरामद किया गया है। आरोपियों के बैंक अकाउंट, संपत्ति की जानकारी एकत्र की जा रही है तथा साइबर सेल की टीम द्वारा प्रकरण के समस्त बिंदुओं का अवलोकन कर तकनीकी विश्लेषण भी किया जा रहा है। कि प्रकरण में रविवार को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण में पुलिस द्वारा अब तक थाना कसडोल में 04 अपराधिक प्रकरण दर्ज करने के साथ ही कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण विवेचना में है।आरोपी राजा नटवरलाल उर्फ दिवाकर अवसरिया उम्र 41 वर्ष न्यू चांगोरभाठा महादेव नगर रायपुर थाना डी.डी. नगर रायपुर जिला रायपुर निवासी है।

# सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक ने नवनिर्वाचित सरपंच संघ के अध्यक्ष विनय चंद्राकर को दी बधाई

**पाटन ( समय दर्शन )।** पाटन ब्लॉक के सरपंच संघ का चुनाव आज रेस्ट हाउस पाटन में संपन्न हुआ। धोराभाठा बीके सरपंचों विनय चंद्राकर को सर्वसम्मति से पाटन ब्लॉक सरपंच संघ का अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद विनय चंद्राकर को बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी रहा । सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक ने भी विनय चंद्राकर को बधाई दिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा समर्थित सरपंच गण सहित भाजपा के कार्यकर्ता वह गाना नागरिक मौजूद रहे।

# श्री राम लला तीर्थयात्रा नहीं, आत्मा की यात्रा -डॉ संपत अग्रवाल

- बसना, पिथौरा से अयोध्या तीर्थयात्रियों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया

**बसना ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ शासन की पावन तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत, आज बसना विधानसभा क्षेत्र के बसना ब्लॉक और पिथौरा ब्लॉक के जनपद पंचायत परिसर से श्रीराम लला के दर्शन हेतु तीर्थयात्रियों का धार्मिक दल विधिवत रूप से रवाना हुआ। वातावरण में जय श्रीराम के घोष, पुष्प वर्षा और मंगल ध्वनि के साथ बसना परिसर धर्म-भावना में डूबा नजर आया।

इस पावन अवसर पर बसना विधानसभा क्षेत्र के जनप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा आरंभ की गई तीर्थ यात्रा योजना की सराहना करते हुए कहा, यह पहल न केवल धार्मिक भावना को

जाग्रत करती है, बल्कि जनमानस को भारतीय संस्कृति और आस्था की गहराइयों से जोड़ती है। अयोध्या धाम, जहां प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया, वहां जाकर उनके दिव्य चरणों में शीश नवाने का सौभाग्य मिलना वास्तव में एक आध्यात्मिक अनुभव है। यह तीर्थयात्रा केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और विश्वास की यात्रा है, जो व्यक्ति के भीतर आध्यात्मिक जागरण को जन्म देती है।

विधायक डॉ अग्रवाल ने आगे कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों की आस्था को देखते हुए उन्होंने स्वयं इस योजना के लिए नामों की अनुशंसा की और छत्तीसगढ़ शासन से समन्वय कर तीर्थ यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई। विधायक डॉ. अग्रवाल ने यह भी कहा, मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि मैं भगवान श्रीराम लला के दर्शनों के लिए अपने क्षेत्र के श्रद्धालुओं को भेजने में एक माध्यम बन पाया। यह संकल्प न केवल भौतिक यात्रा है, बल्कि आध्यात्मिक चेतना का जागरण भी है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा ,श्रद्धालुओं की यह पावन यात्रा मंगलमय हो ।प्रभु श्री राम आप सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर श्रीराम लला के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करेंगे और यह अनुभव उन्हें जीवनभर प्रेरित करता रहेगा।

इस यात्रा में बसना विधानसभा क्षेत्र से कुल 53 श्रद्धालु सम्मिलित हुए है।जिसमें बसना से 23 यात्री, जिनमें 11 पुरुष एवं 12 महिलाएं हैं। वहीं पिथोरा ब्लॉक से 30 यात्री,जिसमें 24 पुरुष और 6 महिलाएं है । प्रत्येक यात्री के चेहरे पर प्रभु श्रीराम के दर्शन की लालसा और हर्ष की झलक स्पष्ट देखी गई।

यात्रियों को पिथोरा जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरषोत्तम घृतलहरे, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल,बसना जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल,जनपद सीईओ पीयूष सिंह ठाकुर, पिथौरा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, जनपद सदस्य पुरषोत्तम घृतलहरे, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, जनपद सदस्य कवलजीत 'पम्मी' छाबड़ा एवं विधायक प्रतिनिधि पुष्पराज, गजेन्द्र, संजय गोयल, नानू सोनी, सतीश धुरुव सहित अन्य सम्मानित जनों ने विधिवत रूप से हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग ( छ.ग. ) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26